हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 181 Saturday, 26 April 2025 शनिवार २६ एप्रिल २०२५ HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

यूपी समेत 19 राज्य भीषण लू की चपेट में; बिहार, बंगाल समेत पूर्वी राज्यों में आंधी-तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी),

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली समेत उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी क्षेत्रों से लेकर मध्य, पूर्व और दक्षिण भारतीय राज्य केरल तक 19 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। अभी दो से चार दिन इन राज्यों को राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि पारा और चढ़ने वाला है। वहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। सिक्किम में मूसलाधार बारिश के बाद जगह-जगह हुए भूस्खलन में सैकड़ों वाहनों के साथ एक हजार से अधिक सैलानी जहां-तहां फंस गए हैं।

- दिल्ली की एमसीडी में भी खिला कमल

राजा इकबाल सिंह बने दिल्ली के नए मेयर

नई दिल्ली। दिल्ली नगरनिगम को नया मेयर मिल चुका है। इस बार एमसीडी में भी बीजेपी ने बाजी मार ली है। बीजेपी के पार्षद राजा इकबाल सिंह दिल्ली के नए मेयर बन चुके हैं। मेयर चुनाव में उन्हें 133 वोट मिले, वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप को सिर्फ आठ वोट मिले। आम आदमी पार्टी ने मेयर चुनाव का बहिष्कार किया था और अपना उम्मीदवार भी नहीं बनाया।

दो साल बाद एमसीडी में फिर बीजेपी- बीजेपी दो साल बाद एक बार फिर से एमसीडी की सत्ता पर कब्जा जमाने में कामयाब रही। बीजेपी ने राजा इकबाल सिंह को मेयर पद के लिए उम्मीदवार बनाया था। चुनाव जीतने से पहले उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने उनकी पार्टी को शहर की समस्याओं को ठीक करने की जिम्मेदारी सौंपी है। सिंह ने कहा कि महापौर चुने जाने के बाद स्थायी समितियों के चुनाव तुरंत कराए जाएंगे।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

- एक साल से फरार था संजीव मुखिया

पटना। नीट पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। बिहार पुलिस की एसटीएफ ने उसे पटना से गुरुवार की रात गिरफ्तार किया। संजीव मुखिया कई महीनों से फरार था। बिहार पुलिस ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। पेपर लीक मामले में पहले ही मुखिया के बेटे समेत 36 लोग पकड़े जा चुके हैं। संजीव मुखिया की गिरफ्तारी से मामले में कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। बिहार एसटीएफ और ईओयू की टीम संजीव मुखिया से पूछताछ कर रही है। पुलिस मानती है कि वह पेपर लीक की मुख्य कड़ी है। उससे पूछताछ के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। बिहार पुलिस की ईओयू ने इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच में कई सॉल्वर और बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि संजीव मुखिया नीट पेपर लीक का मुख्य साजिशकर्ता है। मामला सामने आने के बाद वह भाग गया था।

कॉमेडियन कामरा की नहीं होगी गिरफ्तारी

- शिंदे को 'गद्दार' बताने वाले कमेंट पर कुणाल कामरा को राहत

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी के लिए दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और याचिका स्वीकार कर ली है। हालांकि, कोर्ट ने जांच पर रोक नहीं लगाई है। कामरा ने शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी एक शो में की थी जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई थी।

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे

हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्र वार को कामरा को महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी के लिए मुंबई पुलिस की तरफ से उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही केस रद्द करने वाली याचिका को भी स्वीकार कर लिया है। हालांकि कोर्ट ने जांच पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया है। इस मामले में शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

भारत ने गरीबी हटाने में रचा इतिहास

वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट में दावा- रोजगार पैदा करने में भी रहे सफल

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में एक ट्वीट में बताया कि वर्ल्ड बैंक ने भारत की गरीबी उन्मूलन और रोजगार क्षेत्र में प्रगति की जमकर सराहना की है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 17 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसके साथ ही, भारत में रोजगार की वृद्धि दर अब देश की कार्यशील उम्र की जनसंख्या से भी तेज हो गई है, जो किसी भी विकासशील देश के लिए एक सकारात्मक संकेत है। वर्ल्ड बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2011 से 2022-23 के बीच 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी (2।15 प्रतिदिन से कम खर्च करने वालों) से बाहर निकाला है। इस दौरान देश की अत्यधिक गरीबी दर 16.2 प्रतिशत से घटकर मात्र 2.3 प्रतिशत रह गई। इससे भारत न के वल लोअर -मिडल इनकम कैटेगरी में आया, बल्कि वैश्विक गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा।

गांव और शहर दोनों में दिखा असर- ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई, जिससे ग्रामीण-शहरी अंतर के वल 1.7 प्रतिशत रह गया है। 3.65 प्रतिदिन के मापदंड पर, गरीबी दर 61.8 प्रतिशत से गिरकर 28.1 प्रतिशत हुई और 37.8 करोड़ लोग इससे बाहर निकले। रोजगार के क्षेत्र में भी शानदार सुधार हुआ है।

मल्टीडायमेंशनल गरीबी भी घटी

वर्ल्ड बैंक के अनुसार, मल्टीडायमेंशनल गरीबी (जिसमें शिक्षा, पानी, स्वच्छता जैसे पहलू शामिल हैं) भी 2005-06 के 53.18 प्रतिशत से घटकर 2022 में 15.15 प्रतिशत पर आ गई है। भारत का Gini Inde& (वित्तीय असमानता माप) भी 2011-12 में 28.18 से घटकर 2022-23 में 25.15 हो गया है। यह प्रगति केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं, आर्थिक सुधारों और सामाजिक विकास कार्यक्रमों का प्रतिफल है। वर्ल्ड बैंक ने भारत की इस दिशा में दुनिया के लिए मिसाल बनने की बात कही है।

- शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा- पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजें

बैसरन घाटी पहुंचे आर्मी चीफ

त्राल-अनंतनाग में 2 लश्कर आतंकियों के घर ब्लास्ट में ढहे

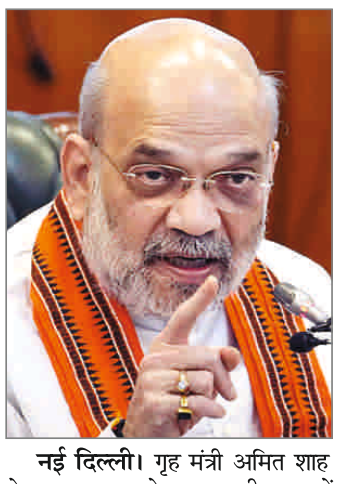

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्र वार दोपहर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें।

पहलगाम हमले के तनाव के चलते इजम्मू में भारत-पाकिस्तान सीमा सिविलियंस के देखने के लिए बंद कर दी गई है। बॉर्डर सिक योरिटी फोर्स (BSF) ने सुचेतगढ़ की ओक्त्रोई पोस्ट पर सिविलियन मूवमेंट फिलहाल रोक दिया है। सिविलियंस यहां (जीरो लाइन, इंटरनेशनल बॉर्डर) एक्टिविटी देखने पहुंचते हैं।

हमले के 3 दिन बाद सेना ने बड़ा एक्शन लिया। जम्मू-कश्मीर के त्राल और अनंतनाग के बिजबेहरा में 2 लश्कर आतंकियों के यहां ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान दोनों के घरों में रखा एक सप्लोसिव ब्लास्ट हो गया। धमाके में आसिफ शेख और आदिल ठोकेर के घर पूरी तरह तबाह हो गए।

इधर, बांदीपोरा में सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुए एनकांटर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। 2 जवान भी घायल हैं। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे

इस बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, यहां उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद जनरल द्विवेदी बैसरन घाटी पहुंचे हैं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला किया था।

10 से ज्यादा घायल हैं।

अनंतनाग पुलिस ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद अनंतनाग में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सिक योरिटी फोर्सेस दक्षिण कश्मीर संदिग्ध आतंकी मददगारों की पहचान में जुटी हैं। शांति-सुरक्षा कायम रखने में लोगों का सहयोग अहम रोल निभाएगा।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का बेंगलुरु में निधन

- 84 वर्ष की उम्र में ली आखिरी सांस

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। इसरो के पूर्व प्रमुख महत्वाकांक्षी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को तैयार करने वाली मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं। पिछले कुछ महीने से वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे।

घर पर ली आखिरी सांस- अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह बेंगलुरु स्थित आवास पर के कस्तूरीरंगन का निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को 27 अप्रैल को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा। एनईपी में सूचीबद्ध शिक्षा सुधारों के प्रणेता के रूप में मशहूर कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कर्नाटक नॉलेज कमीशन के अध्यक्ष मेके रूप में भी कार्य किया था।

2003 से 2009 तक रहे राज्यसभा सदस्य- कस्तूरीरंगन 2003 से 2009 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। भारत के तत्कालीन योजना आयोग के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

आतंकवाद पर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बेशर्म कुबूलनामा

'हम 30 साल से ये डर्टी काम करते आ रहे'

नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा के अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं। लेकिन उन्होंने बेहद बेशर्मी से इस बात को कुबूला कि पाकिस्तान 30 साल से ये गंदा काम करता आ रहा है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक हैरान करने वाला इकबालिया बयान दिया है। ब्रिटेन स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान ख्वाजा आसिफ ने माना है कि पाकिस्तान का आतंकवाद को सपोर्ट करने और टेरर फंडिंग करने का लंबा इतिहास रहा है। स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग 30 साल से इस गंदे काम को अमेरिका के लिए करते आ रहे हैं।

भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है।

- केंद्र ने वक्फ एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर किया हलफनामा

किसी तरह की रोक न लगाएं

नई दिल्ली। वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। वहीं, अब कोर्ट के अंतरिम आदेश पर केंद्र सरकार ने चुप्पी तोड़ी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का सख्त विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि अदालत को वैधानिक प्रावधानों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश- दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट के अनुसार, केंद्र को कजवाब देने तक वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की एंट्री नहीं होगी। आज इसी मामले पर कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक वैधानिक मामला है, जिसमें कोर्ट को रोक लगाने का अधिकार नहीं है। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा- संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। ऐसे में अंतरिम रोक शक्ति संतुलन के सिद्धांतों के खिलाफ है। यह कानून संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर बनाया गया है, जिसके बाद दोनों सदनों में कई घंटों की बहस हुई और फिर इस कानून को पास किया गया था।

केंद्र सरकार के अनुसार, निस्संदेह सर्वोच्च न्यायालय के पास संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है।

वीर सावरकर पर सुप्रीम कोर्ट की राहुल गांधी को नसीहत

उन्होंने आजादी दिलाई थी, दोबारा ऐसा ना हो

- जज बोले- फ्रीडम फाइटर्स के खिलाफ अनाप-शनाप न बोलें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्र वार को कसांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए।

इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

जस्टिस बोले- राहुल को इतिहास के बारे में कुछ नहीं पता- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने राहुल की याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई शुरू होते ही जस्टिस दत्ता ने राहुल के टिप्पणी पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कि सावरकर को अंग्रेजों का नौकर कहा था।

- राहुल ने अंग्रेजों को लिखी सावरकर की चिट्ठी दिखाई थी- दरअसल, महाराष्ट्र के अकोला जिले में 17 नवंबर, 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने एक रैली में सावरकर को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने मीडिया के सामने एक चिट्ठी दिखाते हुए कहा था कि यह चिट्ठी सावरकर ने अंग्रेजों को लिखी थी। इसमें उन्होंने खुद को अंग्रेजों का नौकर बने रहने की बात कही थी। साथ ही डरकर माफी भी मांगी थी। गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया, इसलिए वे सालों तक जेल में रहे। राहुल ने कहा, 'गांधी, नेहरू और पटेल सालों जेल में रहे और कोई चिट्ठी नहीं साइन की। सावरकर जी ने इस कागज पर साइन किया, उसका कारण डर था। अगर डरते नहीं तो कभी साइन नहीं करते। सावरकर ने जब साइन किया तो हिंदुस्तान के गांधी, पटेल को धोखा दिया था। उन लोगों से भी कहा कि गांधी और पटेल भी साइन कर दें।'

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी को कोर्ट से बड़ी राहत

फिलहाल नोटिस जारी करने से इनकार

नई दिल्ल। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया। कोर्ट ने ईडी से और दस्तावेज लाने को कहा है। न्यायाधीश ने कहा, 'मैं संतुष्ट होने तक ऐसा कोई आदेश पारित नहीं कर सकता।' अब इस मामले की सुनवाई दो मई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत, आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। वहीं, ईडी ने अदालत से आग्रह किया, 'हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा चले। नोटिस जारी किया जाए।' हालांकि, न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत को पहले इस तरह के नोटिस जारी करने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त होना चाहिए।

संपादकीय

भारत-अमेरिका समझौते की उम्मीदें क्यों हैं मजबूत?

जिस वक्त अमेरिका की पारस्परिक शुल्क नीति की वजह से दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, भारत के साथ उसके द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला कई सकारात्मक संकेत लिए हुए है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने अलग-अलग देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर अपनी शुल्क दरों की घोषणा की, तो दुनिया भर से तल्ख प्रतिक्रियाएं उभरनी शुरू हो गईं। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने अपनी शुल्कनीति को नब्बे दिनों के लिए विराम दे रखा है, पर आने वाले दिनों में आर्थिक उथल-पुथल की आशंकाएं समाप्त नहीं हुई हैं।

दुनिया भर के पूंजी बाजार में हिचकोले देखे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ अमेरिका का सकारात्मक रुख बना हुआ है। फरवरी में प्रधानमंत्री जब अमेरिका यात्रा पर गए थे, तभी उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते का प्रस्ताव रखा था और अमेरिका ने उस पर गर्मजोशी दिखाते हुए अगले पांच वर्षों में पारस्परिक व्यापारगतिविधियों को वर्तमान एक सौ नब्बे अरब डालर से बढ़ा कर पांच सौ अरब डालर तक पहुंचाने का इरादा जताया था। उसके बाद भारत ने कई अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में भारी कटौती कर दी थी। इसकी ट्रंप ने प्रशंसा भी की।

इस सिलसिले में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दो दिन की बातचीत शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि दोनों देश जल्दी ही इस समझौते पर हस्ताक्षर कर लेंगे। इन दिनों अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। दिल्ली आते ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ इस मसले पर बातचीत की और सकारात्मक रुख दिखाया था। अभी जब दोनों देशों के बीच इस मसले पर

वाशिंगटन में बातचीत शुरू हुई है, तो उसके पहले वेंस ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार संबंधी शर्तें तय हो चुकी हैं। यानी स्पष्ट है कि अगले कुछ महीनों में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

निस्संदेह इस समझौते से न केवल भारत-अमेरिकी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे, बल्कि दुनिया की बदलती आर्थिक स्थितियों में नए समीकरण भी बनेंगे। यों, दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर कोई गहरे मतभेद पहले से ही नहीं थे, जैसे अमेरिका के साथ चीन के हैं। फिर, ट्रंप प्रशासन की पारस्परिक शुल्क नीति को लेकर भारत ने कभी कोई तल्ख टिप्पणी नहीं की। उसने संयम और संतुलन के साथ अमेरिकी फैसलों पर लगातार नजर बनाए रखा और द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अपनी बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने पर वह कायम रहा। उसी का नतीजा है कि अमेरिका के साथ उसकी नजदीकी कुछ और बढ़ी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के तहत कई वस्तुओं पर सीमा शुल्क में भारी कटौती की जा सकती या उसे खत्म किया जा सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके औद्योगिक उत्पादों, विद्युत वाहनों, वाइन, पेट्रोरसायन, दुग्ध और कुछ कृषि उत्पादों के आयात में रियायत दे, जबकि भारत चाहता है कि अमेरिका यहां के परिधान, कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, प्लास्टिक समेत समुद्री खाद्य आदि के निर्यात पर शुल्क कम करे।

अमेरिका ने फिलहाल सभी देशों के लिए आधार शुल्क दस फीसद रखा हुआ है, इसलिए इन वस्तुओं पर शुल्क निर्धारण में सहनीय दरें रखना बहुत पेचीदा मसला नहीं माना जा रहा। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन पर दुनिया भर से और अपने नागरिकों की ओर से शुल्क निर्धारण में नरमी लाने के जैसे दबाव बन रहे हैं, उसमें कुछ सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बनी हुई है।

भाषा की राजनीति में उलझी हिंदी, क्या भविष्य की पीढ़ी भुगतेगी खामियाजा?

कोई ज्यादा दिन नहीं हुए जब तमिलनाडु में हिंदी के विरोध में आवाज उठी थी। केंद्र और राज्य के बीच भाषा के मुद्दे पर सियासी विवाद कई दिनों तक चला, जबकि इसका कोई तर्कसंगत आधार नहीं था। क्षेत्रीय भावनाओं को उभारने के लिए कुछ राज्यों में राजनीतिक दल तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का आज विरोध जरूर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा करके वे भावी पीढ़ियों का नुकसान ही करेंगे। क्योंकि जब युवा अपने राज्य से किसी दूसरे राज्य में पढ़ने या नौकरी करने जाएंगे, तब संपर्क भाषा के रूप में उन्हें हिंदी की ही जरूरत पड़ेगी। हैरत की बात है कि अब महाराष्ट्र में भी सियासी विरोध शुरू हो गया है। वहां अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के आदेश पर एक लगाने से कई सवालिया निशान उठे हैं। स्पष्ट है कि यह फैसला राजनीतिक दबाव में लिया गया। हालांकि शिक्षामंत्री ने हिंदी सीखने को स्वैच्छिक बता कर नरमी दिखाई है, मगर राज्य में विपक्षी दलों का विरोध समझ से परे है। आखिर भाषा पर कितने दिनों तक वे सियासत करते रहेंगे? मराठी अस्मिता के नाम पर विरोध कर रहे दलों को यह सोचना चाहिए कि हिंदी और मराठी दोनों की लिपि देवनागरी है और इससे विद्यार्थियों को भाषा सीखने में सहजता रहती है। उन्हें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि मुंबई के सिनेमा उद्योग ने हिंदी का जितना प्रसार किया है, उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। आज दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के लोग भी हिंदी समझ जाते और थोड़ी-बहुत बोल भी लेते हैं। संगीत, साहित्य और फिल्मों से पूरे भारत में हिंदी जिस तरह आगे बढ़ी है, उसे अलग करके नहीं देखा जा सकता। बाजार की भाषा के रूप में आज हिंदी की एक अलग पहचान है। अब पर्यटन से लेकर उद्योग या कोई भी व्यवसाय इसके बिना नहीं चल सकता। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात अक्सर होती है, तो इसकी वजह समझी जा सकती है। क्योंकि यही वह भाषा है, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी को एक सूत्र में बांधती है।

आज का कार्टून

भारत के तगड़े एक्शन से पाकिस्तान की टूटेगी रीढ़!

अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह एक प्रमुख आकर्षण होता है. इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. वैसे तो हरेक दिन लगभग 15,000 विजिटर इस समारोह में भाग लेते हैं. सप्ताहांत और राष्ट्रीय छुट्टियों के दिन यहां पर 25,000 दर्शकों तक की भीड़ उमड़ पड़ती है. अटारी-वाघा सीमा भारत और पाकिस्तान के बीच नागरिक आवागमन को भी आसान बनाती है. मोदी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2023-24 में इस सीमा से 71,563 यात्रियों की आवाजाही हुई. गौर करें तो ये सीमा दोनों देशों के बीच व्यापार में भी अहम रोल अदा करती है. अटारी एकीकृत चेक पोस्ट भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार के लिए एकमात्र स्थल मार्ग है. भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में इस क्रॉसिंग के माध्यम से कुल व्यापार 3,886.53 करोड़ रुपये तक व्यापार पहुंच गया था. हालांकि बीते वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार की मात्रा में उतार-चढ़ाव रहा है. दोनों दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और नीतिगत निर्णयों से दोनों देशों का व्यापार प्रभावित रहा है.

अरुणिम भुयान

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ कड़े फैसले लिए हैं. पाकिस्तान के भारत के इन फैसलों में सिंधु जल संधि को स्थगित करने से लेकर वाघा-अटारी सीमा को सभी तरह के आवाजाही के लिए बंद करना शामिल है. इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द करने को कहा गया है. इसके अलावा इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में काफी कमी करने का फैसला लिया गया है. गौर करें तो पहलगाम में दहशतगर्दों के इस हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए और कई घायल हुए हैं.

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दो घंटे से अधिक समय तक चली उच्चस्तरीय सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद मीडिया को सरकार के फैसलों की जानकारी दी. मिसरी ने कहा, भारत तब तक चैन से नहीं बैठेगा, जब तक इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता और उनके समर्थकों को जवाबदेह नहीं बनाया जाता.

मिसरी के मुताबिक, सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों को विस्तार से रखा गया. उन्होंने बताया कि इसमें ये उल्लेख किया गया कि जम्मू-कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव होने और निरंतर हो रहे आर्थिक वृद्धि के मद्देनजर ये आतंकी गतिविधियां हुईं.

सीमा पार से नियंत्रित किए जा रहे इस आतंकवादी हमले की वजह से सीसीएस ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए 5 बड़े एक्शन लिए हैं. उन्होंने कहा, 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन त्याग नहीं देता.

गौर करें तो सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच जल के बंटवारे की संधि है. इस संधि को विश्व बैंक की मध्यस्थता में तय किया गया था. इसके जरिए सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध पानी के उपयोग पर सहमति जताई गई थी. इस संधि पर सितंबर 1960 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके समकक्ष पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने कराची में दस्तखत किए थे. इस संधि के मुताबिक तीन पूर्वी नदियों ब्यास, रावी और सतलुज के जल पर भारत नियंत्रण दिया गया था. वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, चिनाब और झेलम के जल पर पाकिस्तान के नियंत्रण की बात कही थी. इस संधि के जरिए ही ये दोनों देश इन छह नदियों के जल बंटवारे को लेकर सहकारी तंत्र स्थापित करके सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं.

सिंधु संधि की प्रस्तावना में सद्भावना, मित्रता और सहयोग की भावना से सिंधु नदी प्रणाली से पानी के उपयोग की बात कही गई है. इसमें नदी जल उपयोग के लिए प्रत्येक देश के अधिकारों और दायित्वों को मान्यता दी गई है. यह संधि भारत को पश्चिमी नदी के पानी का सीमित सिंचाई उपयोग और बिजली उत्पादन, नौवहन, संपत्ति का संचालन और मछली पालन के लिए उपयोग करने की असीमित अनुमति देती है.

सिंधु संधि के तहत एक स्थायी सिंधु आयोग यानी PIC की स्थापना की गई है. इस आयोग में दोनों देशों से एक-एक कमिश्नर होता है. जो आपस में भारत-पाकिस्तान के बीच समन्वय स्थापित करता है.

संधि के कार्यान्वयन पर चर्चा करने और उत्पन्न होने वाले किसी भी मुद्दे को संबोधित करने के लिए आयोग को वर्ष में कम से कम एक बार मिलना जरूरी होता है. इसके साथ ही पीआईसी नदियों का नियमित निरीक्षण करता है. साथ ही छोटे-मोटे मुद्दों को हल करने के लिए काम करता है. यह आयोग दोनों देशों के बीच नदी के प्रवाह और जल विज्ञान संबंधी डेटा का आदान-प्रदान करता है. आयोग विवाद समाधान के लिए सीधे संवाद के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने पर काम करता है. इसके बाद भी यदि मुद्दों का समाधान नहीं हो पाता है, तो उन्हें किसी तटस्थ विशेषज्ञ या मध्यस्थता न्यायालय को भेजे जाने का प्रावधान है. भारत ने पाकिस्तान को दूसरा बड़ा झटका दिया है. इसके बारे में मिसरी ने कहा कि एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा. विदेश सचिव ने कहा, जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई, 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं. इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीज़ा छूट योजना वीज़ा के तहत भारत की यात्रा करने की छूट अब खत्म की जा रही है. पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए किसी भी SVES वीज़ा को रद्द कर दिया गया है. SVES वीज़ा के तहत मौजूदा समय में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं

वहीं भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के बीच स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर नागरिकों और पर्यटकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल ट्रांजिट स्थल है.

गौर करें तो अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह एक प्रमुख आकर्षण होता है. इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. वैसे तो हरेक दिन लगभग 15,000 विजिटर इस समारोह में भाग लेते हैं. सप्ताहांत और राष्ट्रीय छुट्टियों के दिन यहां पर 25,000 दर्शकों तक की भीड़ उमड़ पड़ती है. अटारी-वाघा सीमा भारत और पाकिस्तान के बीच नागरिक आवागमन को भी आसान बनाती है. मोदी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2023-24 में इस सीमा से 71,563 यात्रियों की आवाजाही हुई.

गौर करें तो ये सीमा दोनों देशों के बीच व्यापार में भी अहम रोल अदा करती है. अटारी एकीकृत चेक पोस्ट भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार के लिए एकमात्र स्थल मार्ग है. भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में इस क्रॉसिंग के माध्यम से कुल व्यापार 3,886.53 करोड़ रुपये तक व्यापार पहुंच गया था. हालांकि बीते वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार की मात्रा में उतार-चढ़ाव रहा है. दोनों दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और नीतिगत निर्णयों से दोनों देशों का व्यापार प्रभावित रहा है.

इसके साथ ही सीसीएस ने अपने फैसले में नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को भी अवांछित घोषित कर दिया है. विदेश सचिव मिसरी ने कहा, उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है. भारत इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा. साथ ही संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे. इसके अलावा सेवा सलाहकारों के 5 सहायक कर्मचारियों को भी दोनों उच्चायोगों से वापस बुलाया जाएगा.

इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को लेकर फैसला लेते हुए उच्चायोगों में मौजूदा संख्या कर्मचारियों और अधिकारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा. ये निर्णय 1 मई 2025 से लागू होगा. इस तरह से कहा जाए तो भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपनी पाकिस्तान नीति में एक साहसिक बदलाव किया है. इसमें कूटनीतिक और आर्थिक रूप से इस्लामाबाद को अलग-थलग करने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं. सिंधु जल संधि को निलंबित करके और सीमा पार लोगों के बीच संपर्क को रोककर भारत ने यह संकेत दे दिया है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद अब ठोस परिणाम लाएगा.

सपा यूपी में ब्राह्मणों के मुद्दे क्यों उठा रही है?

पुलिस पोस्टिंग का मुद्दा उठाकर भी सपा बताना चाहती है कि ब्राह्मण समुदाय के लोगों की उपेक्षा की जा रही है। हाल ही में पार्टी ने लखनऊ में एक विरोध प्रदर्शन किया जहां पर उसके कार्यकर्ताओं ने हाथों में बाबा को हाता नहीं भाता और ब्राह्मणों पर उत्पीड़न बंद करो लिखी हुई तख्तियां ली हुई थीं। इससे सीधा संदेश मिलता है कि समाजवादी पार्टी राज्य में 'ठाकुर बनाम ब्राह्मण' की लड़ाई में से सियासी फायदा हासिल करना चाहती है। सपा ब्राह्मणों पर कथित अत्याचार का मुद्दा उठाकर 'ठाकुर बनाम ब्राह्मण' की राजनीतिक लड़ाई को भी फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रही है।

पवन उप्रेती

पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक कार्ड के जरिए लोकसभा चुनाव 2024 में अच्छी कामयाबी हासिल करने वाली समाजवादी पार्टी ने अब ब्राह्मण मतदाताओं का रुख किया है। समाजवादी पार्टी ने ऐसा बेहद सोच-समझकर किया है। लेकिन क्या सपा को ऐसा करने से 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कोई फायदा होगा? इस पर बात करने से पहले अखिलेश यादव के ताजा बयानों के बारे में बात करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले रविवार को पुलिस पोस्टिंग के आंकड़े साझा किए और दावा किया कि राज्य सरकार ठाकुरों के पक्ष में है। बताना होगा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इसी जाति समूह से आते हैं। अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा कमिश्नरेट के अंतर्गत 48 स्टेशन हाउस ऑफिसर और स्टेशन ऑफिसर में से पीडीए समुदाय के सिर्फ 15 लोग हैं जबकि बाकी सिंह भाई लोग (ठाकुर) हैं?

अखिलेश ने अपने गृह जिले मैनपुरी के भी आंकड़ों को सामने रखा और दावा किया कि 15 में से 10 एसएचओ/एसओ ठाकुर थे। इसके बाद उन्होंने महोबा और प्रयागराज के

आंकड़ों का भी हवाला दिया और कहा कि पुलिस पोस्टिंग में पीडीए समुदाय की हिस्सेदारी केवल 25त्न थी जबकि राज्य में उनकी आबादी 90प्रतिशत है।

अखिलेश यादव के इन बयानों पर जब चर्चा शुरू हुई तो उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी और इन दावों को खारिज कर दिया। लेकिन अखिलेश ने भी इस पर पलटवार किया और कहा कि डीजीपी को कम बोलना चाहिए और मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए।

अखिलेश के हमलों का जवाब देने के लिए उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी सामने आए और उन्होंने दावों को खारिज किया। यूपी बीजेपी प्रमुख ने कहा, आगरा कमिश्नरेट के तहत तैनात पुलिस अधिकारियों में ओबीसी और अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के सदस्य क्रमशः 39प्रतिशत और 18प्रतिशत हैं जबकि मैनपुरी में यह संख्या 31प्रतिशत और 19प्रतिशत है।

उत्तर प्रदेश में ठाकुर समुदाय की आबादी करीब 7प्रतिशत है और ब्राह्मण समुदाय की आबादी 10प्रतिशत के करीब। इन दोनों समुदायों को उत्तर प्रदेश में बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है। यह भी माना जाता है कि बीजेपी को पिछले दो विधानसभा चुनाव में मिली जीत में इन समुदायों का समर्थन हासिल हुआ।

अखिलेश ने बीते कुछ वक्त में हरीश मिश्रा नाम के शख्स का मामला उठाया है। हरीश मिश्रा कुछ महीने पहले सपा में आए थे और उन पर करणी सेना के सदस्यों ने हमला किया था। अखिलेश यादव मिश्रा का समर्थन करते रहे हैं। बीते रविवार को ही अखिलेश यादव ने गोरखपुर में स्वर्गीय हरिशंकर तिवारी के घर पर ईडी की छापेमारी को लेकर सवाल किया। हरिशंकर तिवारी पूर्वांचल के बाहुबली नेता थे। हरि शंकर तिवारी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के गोरखनाथ मठ के बीच टकराव भी चलता था। इस महीने की शुरुआत में ईडी ने हरिशंकर तिवारी के बेटे और सपा के राष्ट्रीय सचिव विनय शंकर तिवारी को 754 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में गिरफ्तार किया था।

इसी तरह सपा ने 2018 में लखनऊ में दो पुलिसकर्मियों द्वारा एप्पल के कर्मचारी विवेक तिवारी की हत्या और गैंगस्टर विकास दुबे की पुलिस एनकाउंटर में हुई मौत का भी संदर्भ दिया है। इसके साथ ही बस्ती में एक उपाध्याय जी को मारे जाने की बात को भी उठाया है। ये सभी ब्राह्मण समुदाय से हैं। सपा का कहना है कि राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार ब्राह्मण विरोधी है। पुलिस पोस्टिंग का मुद्दा उठाकर भी सपा बताना चाहती है कि ब्राह्मण समुदाय के लोगों की उपेक्षा की जा रही है। हाल ही में पार्टी ने लखनऊ में एक विरोध प्रदर्शन किया जहां पर उसके कार्यकर्ताओं ने हाथों में बाबा को हाता नहीं भाता और ब्राह्मणों पर उत्पीड़न बंद करो लिखी हुई तख्तियां ली हुई थीं। इससे सीधा संदेश मिलता है कि समाजवादी पार्टी राज्य में 'ठाकुर बनाम ब्राह्मण' की लड़ाई में से सियासी फायदा हासिल करना चाहती है। सपा ब्राह्मणों पर कथित अत्याचार का मुद्दा उठाकर 'ठाकुर बनाम ब्राह्मण' की राजनीतिक लड़ाई को भी फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रही है।

इस खास रत्न को पहनने के दौरान जरूर करें इन नियमों का पालन, हो सकता है भाग्योदय

रत्न शास्त्र में 09 रत्नों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है और सभी रत्नों के अलग-अलग महत्व भी हैं। अब ऐसे में अगर आप लहसूनिया रत्न पहनते हैं तो इस पहनने के भी नियम बताए गए हैं।

लहसुनिया रत्न जिसे कैट्स आई भी कहा जाता है। रत्न शास्त्र में इस रत्न का विशेष महत्व बताया गया है। आम भाषा में कहें तो यह रत्न बिल्ली की आंख की तरह दिखती है। रत्न शास्त्र के अनुसार, लहसुनिया केतु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। केतु एक छाया ग्रह है जिसका ज्योतिष में विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि लहसुनिया धारण करने से केतु के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाया जा सकता है। ऐसा कहा जाता है जो जातक लहसुनिया रत्न पहनते हैं उन्हें सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और भाग्योदय हो सकता है। इसके अलावा अगर किसी जातक के व्यापार में कोई परेशानी आ रही है तो इससे भी छुटकारा मिल सकता है। अब ऐसे में जो जातक लहसुनिया रत्न पहनने की सोच रहे हैं उन्हें किन नियमों का पालन करने से लाभ हो सकता है।

- लहसुनिया रत्न धारण करने के लिए गुरुवार या शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। आप इस रत्न को मंगलवार के दिन भी पहन सकते हैं।
- लहसुनिया रत्न को चांदी की अंगूठी में जड़वाकर पहनना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न मध्यमा उंगली में पहनना शुभ माना जाता है। आप इसे रिंग फिंगर में भी पहन सकते हैं। आपको बता दें, रत्न कम से कम 3, 5 या 7 कैरेट का होना चाहिए। 2, 4, 11 और 13 रत्ती का लहसुनिया पहनने से बचना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न धारण करने से पहले रत्न को गंगाजल और गाय के कच्चे दूध से धोकर शुद्ध करें।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में केतु ग्रह कमजोर स्थिति में है, उन्हें लहसुनिया धारण करना फायदेमंद होता है।
- वृषभ, मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि वालों के लिए यह रत्न विशेष रूप से शुभ माना जाता है।
- इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अगर किसी जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है तो लहसुनिया रत्न पहनने से बचना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न को विशेष समय के लिए ही पहना जाता है, यह रत्न हमेशा के लिए पहनने से बचें।

नोट - रत्न धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह अवश्य लें। वे आपकी कुंडली में स्थित दोषों को जानकर बताएंगे कि यह रत्न आपके लिए उपयुक्त है या नहीं।

वास्तु में क्या होते हैं इंद्र, रज और यम, आखिर क्यों घर की सीढ़ियां बनाते समय रखा जाता है इनका विशेष ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की संरचना में दिशाओं और ऊर्जा का संतुलन अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। यह संतुलन न केवल भवन के वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति पर भी असर डालता है। इसी संदर्भ में इंद्र, रज और यम जैसे तत्वों का घर की विभिन्न संरचनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है जिनमें से घर में बनी हुई सीढ़ियों का स्थान भी विशेष महत्व रखता है। वास्तु के नियमों के अनुसार इन तीनों में से एक तत्व का स्थान घर की सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है जो घर में नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इंद्र, रज और यम का वास्तु में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए। जिससे घर में किसी तरह का वास्तु दोष न हो। वास्तु शास्त्र प्राचीन भारतीय विज्ञान है, जो दिशाओं, ऊर्जा और भवन निर्माण के सिद्धांतों पर आधारित है।

यह विज्ञान इस बात पर जोर देता है कि घर की संरचना, दिशाओं और स्थानों का सही संतुलन न केवल भवन की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, सुख-शांति और स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ विशेष तत्व और देवता ऐसे होते हैं जिनका घर की विभिन्न दिशाओं और संरचनाओं पर गहरा प्रभाव होता है, जैसे इंद्र, रज, और यम। इनमें से यम का स्थान सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। आइए वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधु कोटिया से जानें इंद्र, रज, और यम का वास्तु शास्त्र में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार क्या होता है इंद्र का स्थान

इंद्र को हिंदू धर्म के देवताओं के राजा के रूप में पूजा जाता है। इन्हें शक्ति, समृद्धि और शांति का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इंद्र का स्थान पूर्व दिशा में होता है। पूर्व दिशा को हमेशा शुभ और सकारात्मक दिशा माना जाता है, क्योंकि यह सूर्योदय की दिशा होती है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसा माना जाता है कि घर में इंद्र की दिशा यानी कि पूर्व दिशा में घर का मुख्य द्वार या खिड़कियां होनी चाहिए जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर सके। इंद्र की दिशा स्वच्छता, समृद्धि और शांति की दिशा मानी जाती है। यह दिशा घर के सदस्यों की मानसिक शांति और आर्थिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

सीढ़ियों में इंद्र का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियों को वास्तु शास्त्र में एक महत्वपूर्ण संरचना माना गया है, क्योंकि इनसे घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है।

इंद्र की दिशा पूर्व में होने के कारण यदि सीढ़ियों को इस स्थान पर रखा जाए तो घर की समृद्धि और शांति बाधित हो सकती है। सीढ़ियों को हमेशा उस दिशा में रखा जाना चाहिए जो स्थिरता और स्थायित्व का प्रतीक हो, जबकि इंद्र की ऊर्जा का स्थान किसी अन्य हिस्से में होना चाहिए जो समृद्धि को प्रोत्साहित करे।

वास्तु के अनुसार क्या होता है रज का स्थान?

रज शब्द संस्कृत के 'राजस' से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है परिवर्तन, गति और क्रियाशीलता। वास्तु शास्त्र में रज को घर की गतिविधियों, जीवनशैली और गतिशीलता से जोड़ा जाता है। यह ऊर्जा घर के सदस्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करती है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। रज का स्थान ऊर्जा का सही संतुलन घर के सामंजस्य और प्रगति को बनाए रखने में सहायक होता है। रज का स्थान घर के उन हिस्सों में होना चाहिए जहां घर के लोग सबसे ज्यादा समय बिताते हैं जैसे कि घर का लिविंग रूम। रज ऊर्जा क्रियाशीलता और बदलाव का प्रतीक है, जिससे घर में नवीनता और तरक्की की भावना बनी रहती है।

सीढ़ियों में रज का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियां घर में स्थिरता और सामंजस्य का प्रतीक होती हैं, जबकि रज ऊर्जा परिवर्तन और गति को बढ़ावा देती है। यदि सीढ़ियों में रज ऊर्जा का स्थान होता है, तो घर में असंतुलन और बेचैनी उत्पन्न हो सकती है। इससे घर के सदस्यों में मानसिक अस्थिरता और असंतोष का भाव बढ़ सकता है। इसलिए, वास्तु शास्त्र में सीढ़ियों में रज का स्थान रखना भी अनुकूल नहीं माना गया है।

क्या होता है वास्तु में यम का स्थान?

यम यानी यमराज को हिंदू धर्म में मृत्यु और अनुशासन के देवता माना जाता है। इन्हें न्याय और अनुशासन का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यम का स्थान दक्षिण दिशा में होता है जो नकारात्मक ऊर्जा, अवरोध और समस्याओं से जुड़ी मानी जाती है। यम का संबंध न केवल मृत्यु से होता है, बल्कि जीवन के कठोर सत्य और अनुशासन से भी जुड़ा होता है। दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी जाती है और इस दिशा को मुख्य द्वार, खिड़कियां, या सीढ़ियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। यम की ऊर्जा का प्रभाव घर के सदस्यों पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से प्रतिकूल हो सकता है। यह दिशा बाधाओं और संघर्षों को जन्म दे सकती है, जिससे घर में अशांति और नकारात्मकता का प्रवेश हो सकता है।

आखिर क्यों यम के स्थान पर नहीं बनाई जाती हैं सीढ़ियां?

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, सीढ़ियों में यम का स्थान रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। सीढ़ियों का स्थान घर में महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह उन संरचनाओं में से एक है जहां से घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है। यम की ऊर्जा, जो मृत्यु और अनुशासन का प्रतीक मानी जाती है, अगर सीढ़ियों में होती है, तो यह घर में नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। आप घर के अन्य स्थानों पर भले ही सीढ़ियां बना लें, लेकिन आपको भूलकर भी यम के स्थान पर सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए। ऐसा माना जाता है सीढ़ियां घर में ऊपर और नीचे के हिस्सों को जोड़ती हैं, जो ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं।
- अगर सीढ़ियों में यम का स्थान रखा जाए, तो घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में अवरोध, समस्याएं, और संघर्ष बढ़ सकते हैं। यम का संबंध मृत्यु और अनुशासन से होता है, जो जीवन में कठिनाइयां और बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। यदि यम की ऊर्जा सीढ़ियों में होती है, तो घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह वास्तु दोष मानसिक तनाव, शारीरिक समस्याओं और दीर्घकालिक रोगों को जन्म दे सकता है।
- यम की दिशा में सीढ़ियां रखने से आर्थिक स्थिरता में कमी आ सकती है। यह वास्तु दोष घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे घर में धन की हानि और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कब और कैसे करना चाहिए विष्णु चालीसा का पाठ

भगवान विष्णु की पूजा से न सिर्फ घर में सुख-समृद्धि आती है बल्कि घर में मां लक्ष्मी का वास भी स्थापित होता है। ऐसे में भगवान विष्णु की पूजा करने के माध्यम हैं। आप भगवान विष्णु के नाम का जाप कर सकते हैं, उनके मंत्रों का उच्चारण कर सकते हैं या फिर उनके स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा शीघ्र फलदायी माना जाता है उनकी चालीसा का पाठ। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि विष्णु चालीसा का पाठ यूं तो कभी भी कर सकते हैं लेकिन गुरुवार के दिन शाम के समय आसन पर बैठकर जल से संकल्प लेते हुए भगवान विष्णु का ध्यान करने के बाद विष्णु चालीसा का पाठ शुरू करने से जीवन के संकटों का नाश होता है। श्री हरि नारायण का सानिध्य प्राप्त होता है और घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने लग जाता है।

दोहा

विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय ।
कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ॥

विष्णु चालीसा

नमो विष्णु भगवान खरारी, कष्ट नशावन अखिल बिहारी ।
प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी, त्रिभुवन फैल रही उजियारी ॥
सुन्दर रूप मनोहर सूरत, सरल स्वभाव मोहनी मूरत ।
तन पर पीताम्बर अति सोहत, बैजन्ती माला मन मोहत ॥
शंख चक्र कर गदा विराजे, देखत दैत्य असुर दल भाजे ।
सत्य धर्म मद लोभ न गाजे, काम क्रोध मद लोभ न छाजे ॥
सन्तभक्त सज्जन मनरंजन, दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ।
सुख उपजाय कष्ट सब भंजन, दोष मिटाय करत जन सज्जन ॥
पाप काट भव सिन्धु उतारण, कष्ट नाशकर भक्त उबारण ।
करत अनेक रूप प्रभु धारण, केवल आप भक्ति के कारण ॥
धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा, तब तुम रूप राम का धारा ।
भार उतार असुर दल मारा, रावण आदिक को संहारा ॥
आप वाराह रूप बनाया, हिरण्याक्ष को मार गिराया ।
धर मत्स्य तन सिन्धु बनाया, चौदह रतनन को निकलाया ॥
अमिलख असुरन द्वन्द मचाया, रूप मोहनी आप दिखाया ।
देवन को अमृत पान कराया, असुरन को छवि से बहलाया ॥
कूर्म रूप धर सिन्धु मझाया, मन्द्राचल गिरि तुरत उठाया ।
शंकर का तुम फन्द छुड़ाया, भस्मासुर को रूप दिखाया ॥
वेदन को जब असुर डुबाया, कर प्रबन्ध उन्हें ढुढवाया ।
मोहित बनकर खलहि नचाया, उसही कर से भस्म कराया ॥
असुर जलन्धर अति बलदाई, शंकर से उन कीन्ह लड़ाई ।
हार पार शिव सकल बनाई, कीन सती से छल खल जाई ॥
सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी, बतलाई सब विपत कहानी ।
तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी, वृन्दा की सब सुरति भुलानी ॥
देखत तीन दनुज शैतानी, वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ।
हो स्पर्श धर्म क्षति मानी, हना असुर उर शिव शैतानी ॥
तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे, हिरणाकुश आदिक खल मारे ।
गणिका और अजामिल तारे, बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ॥
हरहु सकल संताप हमारे, कृपा करहु हरि सिरजन हारे ।
देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे, दीन बन्धु भक्तन हितकारे ॥
चाहता आपका सेवक दर्शन, करहु दया अपनी मधुसूदन ।
जानूं नहीं योग्य जब पूजन, होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ॥
शीलदया सन्तोष सुलक्षण, विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ।
करहुं आपका किस विधि पूजन, कुमति विलोक होत दुख भीषण ॥
करहुं प्रणाम कौन विधिसुमिरण, कौन भांति मैं करहु समर्पण ।
सुर मुनि करत सदा सेवकाई, हर्षित रहत परम गति पाई ॥
दीन दुखिन पर सदा सहाई, निज जन जान लेव अपनाई ।
पाप दोष संताप नशाओ, भव बन्धन से मुक्त कराओ ॥
सुत सम्पति दे सुख उपजाओ, निज चरनन का दास बनाओ ।
निगम सदा ये विनय सुनावै, पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ॥

॥ इति श्री विष्णु चालीसा॥

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का क्या करना चाहिए?

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ का विशेष महत्व है और पूजा के लिए विभिन्न सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है। पूजा में कई तरह की चीजों का उपयोग किया जाता है और इन सभी चीजों का महत्व भी बहुत ज्यादा होता है। किसी भी पूजन के दौरान हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उसे ईश्वर के लिए अनुकूल माना जाता है। इन चीजों के इस्तेमाल से भगवान का ध्यान किया जाता है और उन्हें प्रसन्न किया जाता है। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाली हर सामग्री का पूजन के बाद क्या करना चाहिए? क्या यह पूजन सामग्री दोबारा किसी भी पूजा में इस्तेमाल की जा सकती है?

पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों में कुमकुम,रोली,सिंदूर,पुष्प, अक्षत, फल आदि शामिल होते हैं। इन सभी सामग्रियों को पूजा की सम्पन्नता और शुभता के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानें पूजा के बाद बची हुई सामाग्री का आपको क्या करना चाहिए, जिससे किसी भी तरह के नकारात्मक प्रभाव न पड़ें।

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का महत्व

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का भी विशेष महत्व होता है क्योंकि क्योंकि इसमें देवताओं की ऊर्जा और आशीर्वाद होता है। ऐसी मान्यता है कि यदि हम इसे सही तरीके से उपयोग नहीं करते हैं, तो इसका नकारात्मक प्रभाव भी हमारे जीवन में पड़ सकता है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम पूजा के बाद बची हुई सामग्री का सही उपयोग करें और इन सामग्रियों को कूड़े या कचरे में डालने से बचें। किसी भी पूजा पाठ में अलग तरह की सामग्रियों का इस्तेमाल होता है और उनके बचने पर कई तरह से इसका उपयोग होता है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में-

पूजा में इस्तेमाल होने वाले सिंदूर का क्या करें

सिंदूर को किसी भी विवाहित स्त्री की सबसे खास सामग्री माना जाता है। जब आप इस सिंदूर का इस्तेमाल किसी भी पूजा में करती हैं या इसे भगवान को अर्पित करती हैं, तब यह और ज्यादा पवित्र हो जाता है। यदि पूजा के बाद सिंदूर या कुमकुम बच जाए तो आप उसको दोबारा पूजा-पाठ में इस्तेमाल कर सकती हैं। यही नहीं आप अपने लिए भी इस सिंदूर का इस्तेमाल कर सकती हैं। कुमकुम का इस्तेमाल किसी भी नई चीज पर, दरवाजे पर स्वास्तिक बनाने के लिए और कोई भी शुभ चिह्न बनाने के लिए किया जाता है। ऐसे में आप इसी कुमकुम को उपयोग में ला सकती हैं।

पूजा के बाद बचे हुए फूलों का क्या करें

घर में किसी भी पूजा के बाद अगर फूल बच जाएं तो आप उन्हें फेंकें नहीं बल्कि इन फूलों का इस्तेमाल आपको घर के गार्डन या फिर गमले में करना चाहिए। कुछ समय के बाद ये फूल गमले में खाद बन जाते हैं और इसका इस्तेमाल पौधों के लिए भी लाभकारी हो सकता है।

आपको कभी भी इन फूलों को कचरे में नहीं डालना चाहिए। इसके साथ ही यदि पूजा की थाली में अक्षत, गेहूं या अन्य कोई भी अनाज बचते हैं तो आप इसे भी गार्डन में डाल सकते हैं या फिर इसे पक्षियों को भी खिला सकते हैं।

पूजा में इस्तेमाल होने वाले जल का क्या करें

जब किसी भी पूजा-पाठ में जल का इस्तेमाल किया जाता है तो काफी जल बच भी जाता है। ऐसे में आपको पूजा के समापन के बाद इस जल को पूरे घर में और हर में रहने वाले सदस्यों के ऊपर छिड़क देना चाहिए, उसके बाद बचे जल को किसी भी गमले में डाल सकते हैं। इससे उस जल का उपयोग भी हो जाता है और पूजा की सामग्री का अपमान भी नहीं होता है।यदि आप पूजा के बाद बची हुई सामग्रियों का इस्तेमाल यहां बताए तरीके से करती हैं तो आपके जीवन में कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं होता है।

बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने पर विक्रम भट्ट ने दिए सुझाव

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धराशायी हो रही हैं। जिससे इंडस्ट्री में कहीं न कहीं परेशानी बनी हुई है। हर कोई इसका उपाय निकालने का प्रयास कर रहा है। अब निर्माता-निर्देशक विक्रम भट्ट ने इसको लेकर कुछ सुझाव दिए हैं और इसको कैसे सुधारा जा सकता है, इस पर अपने विचार रखे हैं। निर्देशक का कहना है कि हमें आम जनता की जरूरतों को पूरा करने की जरूरत है। हमें उस पर जोर देना चाहिए।

विक्रम भट्ट ने की साउथ की तारीफ

हाल ही में एएनआई के साथ बातचीत में विक्रम भट्ट में इंडस्ट्री की हालत में सुधार लाने के लिए कुछ सुझाव देते हुए कहा, हर कोई आम जनता को भूल गया और खास फिल्मों की ओर चला गया। वहीं कोविड के दौरान से सिनेमाघरों में फिल्में देखने की दर्शकों की आदत गायब हो गई है। हमने बड़े पैमाने पर फिल्में बनाना बंद कर दिया। अगर आप साउथ की इंडस्ट्री को देखें, तो यह फल-फूल रहा है क्योंकि यह हमेशा बड़े पैमाने पर दर्शकों को अहमियत देता है। वे अभी भी सुपरहीरो देखना चाहते हैं, पुष्पा देखना चाहते हैं, कंतारा देखना चाहते हैं। वे अभी भी खलनायक को खलनायक मानते हैं, अभी भी सीटी बजाते हैं और ताली बजाते हैं। हम तो वैसी फिल्में बनाना भूल गए जिसे देखकर दर्शक सीटी और ताली बजाएं। ऐसी फिल्में बनानी चाहिए, जो जरूरी हों विक्रम भट्ट ने आगे फिल्म बनाते समय फिल्ममेकर्स को कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देने के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसी फिल्में बनानी चाहिए जिनकी बहुत जरूरत हो। मैंने इसे हाल ही में सीखा है जब मेरी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' नहीं चली। इसे बहुत अच्छी समीक्षाएं मिलीं। लेकिन यह इसलिए नहीं चली क्योंकि यह जरूरत वाली फिल्म नहीं थी। भले ही मेरी फिल्म नहीं चली। इसलिए, हमें ऐसी फिल्में बनानी होंगी जो जरूरी हों, फिल्म के नाम पर कुछ भी नहीं बनाना चाहिए। फिल्में इस तरह से बनाई जानी चाहिए कि लोग पहले दिन के पहले शो का बेसब्री से इंतजार करें।

कंटेंट पर जोर देना चाहिए

निर्देशक ने आगे स्टारकास्ट की बजाय कंटेंट पर जोर देने का सुझाव देते हुए कहा, यह पूरी समस्या एक मिनट में हल हो सकती है अगर म्यूजिक कंपनियां, डिजिटल और सैटेलाइट कंपनियां यह संदेश देना शुरू कर दें कि हमें अच्छे गाने चाहिए, हमें अच्छी तस्वीरें चाहिए। अगर आप स्टारकास्ट को नहीं बल्कि अच्छी फिल्म को सपोर्ट करते हैं, तो निर्माता पर बोझ नहीं पड़ेगा। हमें कंटेंट पर जोर देना चाहिए, स्टारकास्ट पर नहीं।

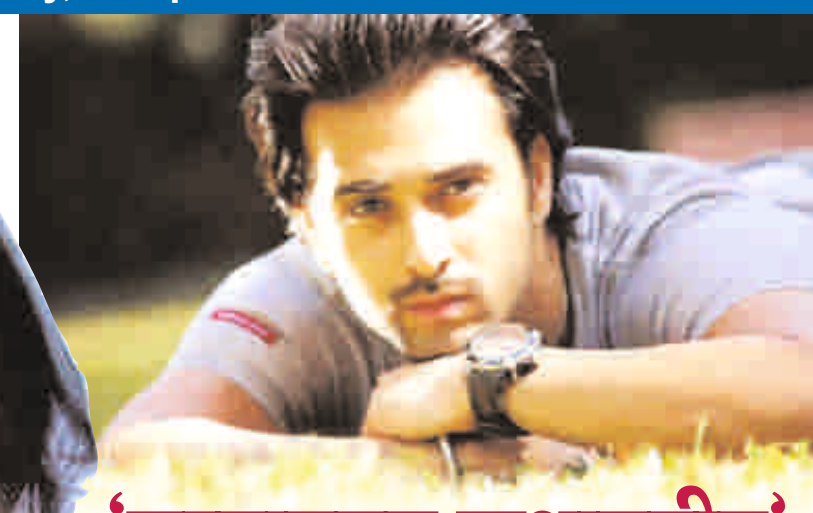

'सुस्वागतम खुशामदीद' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं इसाबेल कैफ

पुलकित सम्राट के साथ आएंगी नजर

बॉलीवुड में फिल्मी घराने से एक और एक्ट्रेस पदार्पण करने जा रही है। अभिनेत्री कटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ की फाइनली बॉलीवुड में एंट्री हो गई है। इसाबेल और अभिनेता पुलकित सम्राट की फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर जारी हो गया है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। जो मई में रिलीज होने वाली है।

प्रेम कहानी में है ये बड़ा पेंच

टीजर से पता चलता है कि पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की इस फिल्म की कहानी दो अलग-अलग धर्मों और अलग-अलग देशों से आने वाले किरदारों की कहानी है। जिसमें पुलकित सम्राट के किरदार का नाम अमन है जो भारत का है और इसाबेल के किरदार का नाम नूर है, जो संभवतः पाकिस्तान से आती है। टीजर से साफ है कि फिल्म की कहानी इसी मुद्दे पर आगे बढ़ेगी कि दो अलग-अलग धर्मों से आने के बावजूद इनकी प्रेम कहानी कैसे मुकम्मल होगी। जारी हुए टीजर में कोई डायलॉग नहीं है। सिर्फ बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ दोनों कलाकारों का रोमांस नजर आ रहा है। फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

फिल्म के टीजर को पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा किया है। इस टीजर को साझा करते हुए पुलकित ने कैप्शन में लिखा है, दो आत्माएं, दो देश, एक प्रेम कहानी। सुस्वागतम खुशामदीद का टीजर हुआ जारी। इस फिल्म का निर्देशन धीरज कुमार ने किया है। 'सुस्वागतम खुशामदीद' से कटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। हालांकि, उनके डेब्यू की चर्चाएं काफी लंबे वक्त से चल रही थीं। अब फाइनली उनकी पहली फिल्म रिलीज हो रही है। बता दें कि 'सुस्वागतम खुशामदीद' का इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में भी एक टीजर जारी हुआ था। लेकिन उसके बाद ऐसा लगा था कि जैसे फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है। हालांकि, अब फिल्म का फिर से नया टीजर जारी हुआ है। जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

फिर मर्दानी बनकर लौटेंगी रानी मुखर्जी, अगले साल फरवरी में रिलीज होगी मर्दानी 3

अभिनेत्री रानी मुखर्जी के फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। लंबे वक्त से चर्चाओं में बनी रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर अब तक की सबसे बड़ी जानकारी सामने आई है। मेकर्स ने 'मर्दानी 3' से रानी मुखर्जी का पहला लुक और फिल्म की रिलीज डेट दोनों को जारी कर दिया है। जिसके बाद अब फैंस एक बार फिर रानी मुखर्जी को शिवानी शिवाजी रॉय की दमदार भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं।

रानी मुखर्जी एक बार फिर धाकड़ और साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने को तैयार हैं। फिल्म के मेकर्स ने आज रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' का पहला लुक और रिलीज डेट दोनों की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर इसको लेकर जानकारी दी है। फिल्म के मेकर्स यशराज फिल्म्स की ओर से साझा किए गए फर्स्ट लुक में रानी मुखर्जी काले रंग की शर्ट और नीली जींस पहने हाथों में बंदूक लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए वाईआरएफ की ओर से कैप्शन में लिखा गया, मर्दानी 3 के लिए उल्टी गिनती शुरू। होली पर अच्छाई बुराई से लड़ेगी, क्योंकि शिवानी शिवाजी रॉय 27 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। बता दें कि साल 2026 में 4 मार्च को होली का त्यौहार होने वाला है। इससे पहले शुक्रवार यानी कि 27 फरवरी को रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में सिनेमाघरों में एंट्री करेंगी।

सात साल बाद लौटेगी 'मर्दानी'

'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की साल 2014 में आई 'मर्दानी' की तीसरी कड़ी है। इससे पहले 2019 में 'मर्दानी 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। पिछली दोनों ही फिल्मों को दर्शकों और क्रिटिक्स की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं और बॉक्स ऑफिस पर भी इन फिल्मों को पॉजिटिव रिस्पॉन्स ही मिला था। अब 'मर्दानी 3' से मेकर्स एक बार फिर उसी तरह की उम्मीद कर रहे हैं।

शिवानी शिवाजी रॉय का सफर साल 2014 में शुरू हुआ था। जब फिल्म 'मर्दानी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रानी मुखर्जी पहली बार इस तरह के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। 'मर्दानी' ने भारत में कुल 48.11 करोड़ का कारोबार किया था। जो अपने बजट से काफी ज्यादा था।

अच्छा था 'मर्दानी 2' का कलेक्शन

'मर्दानी' के लगभग पांच साल बाद फिल्म का अगला पार्ट 'मर्दानी 2' के नाम से रिलीज हुआ। इसमें एक बार फिर रानी मुखर्जी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आईं। 'मर्दानी' की ही तरह 'मर्दानी 2' ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। 'मर्दानी 2' ने इंडियन बॉक्स पर कुल 57 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं।

इन फिल्मों का सीक्वल लाने की तैयारी में रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी एक हिट फिल्ममेकर हैं। उन्होंने 2011 में सिंघम से कॉप यूनिवर्स की शुरुआत की। इसके बाद सिंघम रिटर्न्स, सिम्बा, सूर्यवंशी और सिंघम अगेन आई। सिंघम अगेन के बाद उन्होंने हाल ही में नए सीक्वल्स की बात की। रोहित ने गेम चेंजर्स शो में बताया कि सिम्बा 2 और सूर्यवंशी की अगली फिल्म भी बनेगी।उनकी प्लानिंग पहले से तैयार है। रोहित ने कहा कि जब सिंघम बनी थी, तब यूनिवर्स का आइडिया नहीं था, लेकिन सिम्बा लिखते समय यह सोचा गया कि इसे यूनिवर्स बनाया जाए। इसी के साथ सूर्यवंशी की भी प्लानिंग शुरू हुई। उन्होंने बताया कि ये सब पहले से सोच-समझकर किया गया था। सूर्यवंशी की शूटिंग के दौरान ही सिंघम अगेन का आइडिया आया। किरदारों को कैसे जोड़ा जाएगा, ये पहले से प्लान था। सिंघम अगेन में कई सितारे शामिल हुए थे। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह जैसे स्टार्स के साथ दीपिका और टाइगर भी थे। रोहित शेट्टी अब अपने कॉप यूनिवर्स को और बड़ा बनाना चाहते हैं। वह दर्शकों के लिए नई फिल्में, नए किरदार और और भी धमाकेदार कहानियां लाने वाले हैं।

रजनीकांत स्टारर कुली के लिए श्रुति हासन ने शुरू की डबिंग

रजनीकांत स्टारर अपकमिंग फिल्म कुली की शूटिंग पूरी करने के बाद अभिनेत्री श्रुति हासन फिल्म की डबिंग के लिए जुट चुकी हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस ड्रामा के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है। हाल ही में, कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र ने पहली बार पुष्टि की कि कुली में उनके और रजनीकांत के साथ कॉम्बिनेशन सीन हैं। निर्देशक लोकेश कनकराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'कुली' की रिलीज डेट का निर्माताओं ने हाल ही में ऐलान किया। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म इस साल 14 अगस्त को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक्स के जरिए यह घोषणा की। इसमें लिखा, कुली 14 अगस्त से दुनियाभर में रिलीज होगी। कुली एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रजनीकांत, श्रुति हासन के साथ तेलुगू स्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, सोबिन शाहिर और सत्यराज जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। बॉलीवुड स्टार आमिर खान भी इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इस अटकल की पुष्टि नहीं की है। फिल्म में रेबा मोनिका जॉन और जूनियर एमजीआर भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके साथ ही हाल ही में अभिनेत्री पूजा हेगड़े की भी एंट्री हुई है। सन पिक्चर्स ने फिल्म का निर्माण किया है। कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

इस फिल्म ने कई कारणों से लोगों की दिलचस्पी जगाई है। उनमें से एक यह है कि इस फिल्म में अभिनेता सत्यराज और रजनीकांत लगभग 38 साल बाद एक साथ काम करते हुए नजर आएंगे।

पहली बार सीन करते हुए टांगें कांप रही थीं

पाताल लोक के बेबस पुलिस वाले तो राजी के सख्त ट्रेनर, जाने जां के जीनियस सीक्रेट प्रेमी तो महाराज के ढकोसले बाज बाबा... एक्टर जयदीप अहलावत हर भूमिका के साथ बॉलीवुड में अपनी धाक मजबूत करते जा रहे हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिंस को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें उनके डांस ने धूम मचाई हुई है।

हमेशा अपनी अदाकारी के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर जयदीप अहलावत इन दिनों अपने एक और हुनर से दर्शकों का दिल लूट रहे हैं और वह टैलेंट है डांस। अपकमिंग फिल्म ज्वेल थीफ के गाने जादू में जयदीप के डांस का जादू लोगों के सिर चढ़कर ऐसा बोल रहा है कि वह खुद हैरत में हैं। उनका कहना है कि दर्शकों के लिए उनका डांस करना भले ही अचरज की बात हो, मगर डांस से उनका रिश्ता पुराना है।

बड़े डांस मुकाबले जीते हैं

बकौल जयदीप, मैंने सच में सोचा नहीं था कि यह डांस (फिल्म ज्वेल थीफ के गाने जादू पर डांस) इतना चर्चित हो जाएगा। लोगों का ऐसा रिएक्शन शायद इसलिए आया है, क्योंकि मैंने पर्दे पर डांस नहीं किया था और अचानक मुझे यह अहसास हुआ कि बतौर एक्टर मेरी बहुत ज्यादा सीरियस इमेज है। वरना, मुझे जानने वालों को पता है कि मैं डांस करता रहा हूं। मैं बहुत डांस कॉम्पिटिशन में भी नाचा हूं। हमारे रोहतक, हरियाणा में जो डांस कॉम्पिटिशन होते हैं, उनमें तीन साल तक लगातार हिस्सा लिया और फर्स्ट प्राइज, सेकेंड प्राइज सब जीता है।

डरावना था पहली बार कैमरे का सामना

जयदीप ने हमसे एक्टिंग की ओर रुझान, पहले सीन का अनुभव और मौजूदा स्टारडम पर भी बात की। पहली बार कैमरे के आगे सीन करते की यादों पर वह बताते हैं, वैसे तो स्न्नअद्भद्ध में मैंने कई बार कैमरे का सामना किया था, पर कमर्शियली पहली बार कैमरे के सामने आया फिल्म आक्रोश में। प्रियदर्शन सर डायरेक्टर थे और वह बहुत डरावना था। आपको लगता है कि आप पूरी तरह तैयार हैं, मगर जिस दिन आप सच में काम शुरू करते हैं, असलियत तब पता चलती है। वह तो भगवान का शुक्र है कि हमने बहुत खुले-खुले से पजामे पहने हुए थे, नहीं तो टांगे कांपती दिखाई देतीं। मैं कसम से बता रहा हूं, पूरा शरीर कांप रहा था।

गरीबी में बनी थी गैंग्स ऑफ वासेपुर

अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में शाहिद की भूमिका से चर्चा में आए जयदीप उन दिनों की यादें भी ताजा करते हैं। वह बताते हैं, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि वह फिल्म ऐसा कमाल करेगी। बस ये था कि अच्छी कहानी है, तो इसका हिस्सा बनते हैं। बहुत ही उत्साह और बहुत ही गरीबी में वो फिल्म बनाई गई थी। किसी ने उस फिल्म को बजट नहीं दिया और किसी को अंदाजा नहीं था कि वह फिल्म ऐसी बनेगी। मगर जब वो रिलीज हुई तो एक ही हफ्ते में सबको समझ में आया कि ओह, ये थोड़ी ज्यादा फट गई है, मगर बहुत अच्छा अनुभव था। हम सब नए थे। पहला काम था तो कोई प्रेशर नहीं है। जो समझ में आया, वो कर दिया।

बॉन्डिंग का श्रेय सैफ को

फिल्म ज्वेल थीफ के इवेंट्स पर को-स्टार सैफ अली खान के साथ जयदीप की अच्छी बॉन्डिंग दिखी। वहीं, इससे पहले करीना कपूर भी कह चुकी हैं कि स्न्नअद्भद्ध से पढ़े होने के चलते सैफ उनकी एक्टिंग की बहुत कद्र करते हैं। इस बारे में जयदीप ने कहा, मुझे लगता है कि सैफ सभी की इज्जत करते हैं, वो चाहे एक्टर हों या तकनीशियंस। वह कमाल के इंसान है। हमारी बॉन्डिंग का बड़ा श्रेय उनको जाता है, क्योंकि वह इस तरह के इंसान हैं जो बहुत जल्द आपको एक कंफर्ट जोन में लेकर आते थे । फिर जब ऐसा लगता है कि हां, उनके साथ वो स्पेस है कि आप भी खुल पाते हैं, पर यह श्रेय उनको जाता है।

राजसमंद में पटवारी को 7,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा

जयपुर/राजसमंद। राजस्थान के राजसमंद जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(ACB) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हल्का पटवारी राहुल सुखीजा को 7,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी ने यह रिश्वत जमीन से जुड़े एक मामले में धारा 91 के तहत रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के एवज में मांगी थी।

नाबालिग बालक के जरिए ली जा रही थी रिश्वत

एसीबी के अनुसार, पटवारी राहुल सुखीजा ने यह रिश्वत नाबालिग बालक के माध्यम से ली, जो इस मामले को और भी गंभीर बनाता है। शिकायत के अनुसार, आरोपी पटवारी ने तहसील गढ़बोर के राजस्व ग्राम थुरावड में एक कच्ची ज़मीन को राजस्थान भू अधिनियम की धारा 91 के अंतर्गत रिकॉर्ड में दर्ज करने और नोटिस जारी करने की एवज में परिवादी से 10,000 रुपये की मांग की थी।

गुप्त शिकायत के बाद बिछाया गया जाल

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन और राजसमंद-ष्टक्क चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत चारण के नेतृत्व में ट्रैप टीम गठित की गई। योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया गया और आरोपी को 7,000 रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी हनुमानगढ़ का निवासी

गिरफतार पटवारी राहुल सुखीजा हनुमानगढ़ जिले के गोलुवाला निवासी हैं और वर्तमान में राजसमंद जिले की गढ़बोर तहसील के रिछेड व थुरावड हल्कों में अतिरिक्त चार्ज पर कार्यरत थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।ACB ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की विस्तृत जांच जारी है।

राज्य सरकार निवेशकों को अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से देश में राजस्थान निवेश का प्रमुख गंतव्य के तौर पर उभर रहा है। समिट में हुए एमओयू क्रियान्वयन से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी बल्कि युवाओं के लिए भी रोजगार के पर्याप्त अवसरों का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमओयू के क्रियान्वयन के लिए निवेशकों से नियमित संवाद करें तथा क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करें।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, समिट के तहत हुए एमओयू को गति देने के लिए सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित कर काम करें। शर्मा ने निर्देश दिए कि एमओयू के क्रियान्वयन के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए काम करें। उन्होंने कहा कि भू-आवंटन से संबंधित शेष एमओयू प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करें तथा भूमि आवंटन से जुड़ी रियायतों का भी सरलीकरण किया जाए।

1 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि के एमओयू की श्रेणीवार होगी समीक्षा –मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि के एमओयू को श्रेणीवार विभाजन कर प्रत्येक निवेशक से लगातार संवाद करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर पर सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पम्प स्टोरेज, ग्रीन ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण एमओयू क्रियान्वयन की श्रेणीवार समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमओयू क्रियान्वयन को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक नीतिगत बदलाव भी सुनिश्चित किया जाए।

बजरंग सेना तेलंगाना ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

हैदराबाद (एजन्सी)

,आज बजरंग सेना तेलंगाना की टीम के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव, ठाकुर विकाससिंह महासचिव बजरंगसेना राज्य के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी को संबोधित एक पत्र हैदराबाद के कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी को सौंपा। इस पत्र में पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई, जहां निर्दोष पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर उन्हें निशाना बनाया गया। बजरंग सेना ने इस तरह के अमानवीय कृत्यों की बढ़ती दुस्साहस पर गहरी चिंता व्यक्त की और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।उपरांत, वीर सावरकर प्रतिमा, काचीगुडा एक्स रोड पर एक मौन विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया, जहां प्रतिरोध के प्रतीकात्मक कार्य के रूप में और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश देने के लिए आतंकवादियों की तस्वीरें जलाई गईं।

वितरण संघ ने किया चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई कार्यकारिणी कोसम्मानित

आदिलाबाद (एजेंसी),

वितरण संघ ने चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई कार्यकारिणी को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित जिला केंद्र स्थित एक निजी होटल में आयोजित सम्मान समारोह में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दिनेश माटोलिया ने कहा कि यह कार्यकारिणी सभी व्यापारिक व वाणिज्यिक संगठनों को शामिल कर नए उत्साह के साथ काम कर रही है तथा वितरण संघ से इसमें पूरा सहयोग देने को कहा। कार्यक्रम में एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कार्यकारिणी सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव कंदुला रविंदर, संयुक्त सचिव प्रमोद कुमार खत्री, कोषाध्यक्ष मनोहर, संतोष अग्रवाल, मानद अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल, वितरण संघ के प्रतिनिधि संदीप अग्रवाल, सतीश मित्तल, विद्यासागर आदि शामिल हुए।

हैदराबाद (एजन्सी), सिंधी कॉलोनी, सिकंदराबाद में पहलगाम (कश्मीर) में निर्दोष पर्यटक के नरसंहार की निंदा कर शोक मार्च निकाला गया।अवसर पर धीरज खेतान, अरुण अग्रवाल, रवि गोयनका और अन्य उपस्थीत थे।

दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने केबल विनिर्माण इकाई स्थापित करने किया कलबुर्गी का दौरा

कलबुर्गी (एजन्सी),

दक्षिण कोरिया की 3सी कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चांग-सून ह्वांग के नेतृत्व के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कलबुर्गी में केबल विनिर्माण संयंत्र और गोदाम सुविधा की स्थापना के लिए ने कलबुर्गी का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल ने कलबुर्गी में नंदुर-केसरटगी औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया, वहां के वातावरण पारिस्थिति और भूमि का निरीक्षण किया तथा स्थानीय अधिकारियों के साथ उपलब्ध अन्य सुविधाओं और सरकारी नीति और नियमों के बारे में चर्चा की।

केबल विनिर्माण इकाई की स्थापना से कलबुर्गी जिले में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आएगा और स्थानीय स्तर पर 100 नौकरियां भी पैदा होंगी।जिला उद्योग केंद्र उपनिदेशक अब्दुल अजीम, के.आई.ए.डी.बी. सहायक अधिशासी अभियंता परमेश्वर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा धार्मिक पुजन

हैदराबाद (एजेंसी),

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा उनके कुल देवता लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी एवं पितृ देवता सोनासर वाले बाबाजी भगवान के वार्षिक भजन, पूजा, हवन आदि केडिया भवन, गोशमहल में आयोजित किए गए।

अवसर पर परिवार के सदस्य गण उषा देवी अग्रवाल, विष्णु गोपाल अग्रवाल, सरला अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, कमल अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, कान्ता अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, आशा अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, माया अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, ललिता गुप्ता, शारदा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, आरती सिंघानिया, अक्षिता अग्रवाल एवं परिवार के सभी सदस्य गण आदि उपस्थित थे।

हीट वेव को लेकर करें प्रबंधन, समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करें अधिकारी : सुराणा

चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक सेवाओं की चर्चा कर समुचित निर्देश दिए।

जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि अधिकारी हीट वेव को लेकर प्रबंधन करें और समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। गर्मियों के दौरान पेयजल व बिजली आपूर्ति व्यवस्थाएं देखें तथा किसी प्रकार की समस्याएं सामने आने पर दुरूस्त करवाएं। शहरी क्षेत्रों में हीट वेव के दौरान ग्रीन शेड, पानी छिड़काव, प्याऊ लगवाने आदि की व्यवस्थाएं करें ताकि आमजन को राहत मिले।

उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों व तहसीलदार को निर्देश दिए कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की समस्याएं न आएं, इसके लिए सभी कंट्रोल रूम, पंप हैड आदि का निरीक्षण करें तथा अवैध कनेक्शन की शिकायत प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही करें। कंटीजेंसी के दौरान करवाए जाने वाले कार्यों को स्पीड-अप करें तथा यथाशीघ्र पूरें करवाएं।

उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान को लेकर निर्देश दिए कि मिशन मोड में काम करते हुए अपेक्षित कार्रवाई करें तथा साप्ताहिक रूप से विशेष दिन आदि निर्धारित करते हुए रास्ता खोलने के प्रकरणों को निस्तारित करें। इसी के साथ ऑनलाइन नामांतकरण, सीमाज्ञान व खाता विभाजन के लंबित आवेदनों का समयबद्ध ढंग से निस्तारण करें। बजट घोषणाओं में भू-आवंटन के प्रकरणों को त्वरितता से पूरा करें।

उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि ई-फाइल पेंडेंसी समाप्त करें तथा सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करते हुए जिला रैंकिंग में सुधार करें। इसी के साथ सभी अधिकारी आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर विभिन्न कोर्सेज में इनरोल करते हुए पूरा करें।

बैठक में उन्होंने पेयजल कनेक्शन व शौचालयविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालय में प्रवेशोत्सव, रात्रि चौपाल, जिला स्तरीय जनसुनवाई, शिक्षा, चिकित्सा, खाद्य सुरक्षा योजना, हरियालो राजस्थान अभियान, लाइट्स पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम श्वेता कोचर, चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, एसीईओ दुर्गा ढाका, डीएसओ साक्षी पुरी, कृषि संयुक्त निदेशक मुकेश माथुर, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, डीओआईटी एसीपी नरेश टहानिया, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, कॉपरेटिव एमडी मदन, आईसीडीएस डीडी नरेन्द्र सिंह राठौड़, सीपीओ भागचंद खारिया, प्रवर्तन निरीक्षक संपत कुमार सहित वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

राजनीति के निम्न स्तर पर पहुंचे डोटासरा : सुमित गोदारा

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूत्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से पूरे देशभर में रोष व्याप्त है, लेकिन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सस्ती राजनीति कर नौटंकी कर रहे हैं। उन्होंने डीजीपी मुख्यालय पर जो अपशब्द बोले हैं, वो कांग्रेस की पोषित रीति और नीति को उजागर करते हैं।

गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री के काफिले में एनएसयूआई कार्यकर्ता ने व्यवधान उत्पन्न किया। वो हमले की दृष्टि से ही आया था। उसके खिलाफ पुलिस ने कानून कार्यवाही करते हुए संबंधित व्यक्ति को गिरफतार किया। इस प्रकरण के संबंध में डोटासरा ने डीजीपी ऑफिस पर धरने के दौरान जो अपशब्द कहे, वो बेहद निंदनीय हैं।

खाद्य मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों एवं स्वस्थ संसदीय परंपराओं के सिद्धांतो पर चलती है। वहीं कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हिंसा की मंशा से हमलावरों के रूप में आते हैं। हमारी सरकार ने हमेशा विपक्ष का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि डोटासरा जी का इतिहास है कि वे सदैव विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरते हैं। उन्होंने जिस तरह मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वे शेखावाटी आकर के दिखाए, यह पूरी तरह से लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

4 सरकारी नौकरियां छोड़कर बन गए IAS अफसर, यूट्यूब से पढ़कर हासिल की AIR 9वीं रैंक

झुंझुन। यूट्यूब और आनलाइन क्लासेज कभी कभार शंकाओं के समाधान के लिए देख लेते थे। लेकिन कभी कोचिंग जाना नहीं पड़ा। अपनी मेहनत पर विश्वास रखा। परीक्षा के तीन महीने के समय तो सोशल मीडिया व बड़े फोन से भी दूरी बना ली थी। केवल की पेड फोन का उपयोग करते थे।

बचपन से ही पढाई में अव्वल रहने वाले आदित्य ने 12वीं में साइंस में हरियाणा का झज्जर जिला टॉप किया था। इसके ब एनआईटी इलाहबाद में एडमिशन ले लिया और मैकेनिकल इंजीनियरिंग से ग्रेजुएशन पूरा किया। वे अब तक अनेक परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके थे। अनेक नौकरियां छोड़ चुके।

दो दशक पहले चले गए हरियाणा

यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में नौवीं रैंक प्राप्त करने वाले आदित्य विक्रम अग्रवाल के पिता रामावतार अग्रवाल बहादुरगढ़ रहते हैं। वे एक इंटरनेशनल टाइल कंपनी में परचेज मैनेजर थे। करीब तीन दशक पहले जब उन्हें नौकरी मिली तो परिवार के साथ बिजौली गांव से हरियाणा के बहादुरगढ़ ही चले गए। हालांकि महीने में एक–दो बार आना–जाना हो जाता है।

लेकिन परिवार पूरी तरह से हरियाणा के बहादुरगढ़ में ही रहता है।

आदित्य विक्रम अग्रवाल की सफलता पर ना केवल बिजौली गांव में, बल्कि चिड़ावा कस्बे में भी खुशी है। चिड़ावा कस्बे में आदित्य विक्रम अग्रवाल का ननिहाल है। उनके एक मामा महेंद्र गोयल का परिवार चौहानों की ढाणी में और दो मामा अनिल गोयल व रमेश गोयल का परिवार चिड़ावा की शिव कॉलोनी में रहता है। उसके एक मामा मुकेश सूरत में रहते हैं। आदित्य के टॉप टेन में आने की खबर लगते ही ननिहाल में मिठाई बांट कर खुशी मनाई गई।

नौकरियां छोड़ते रहे, टारगेट था आईएएस बनना

एक नामी कंपनी में सीनियर मैनेजर भी बन गए। नौकरी लग गई। लाखों में पैकेज मिल गया। इसके बाद आदित्य विक्रम अग्रवाल ने बैंक में पीओ के लिए परीक्षा दी। पहले ही प्रयास में सफल भी हो गए। पीएनबी बैंक में भी नौकरी भी मिल गई। लेकिन ज्वाइन नहीं की।

इसी दौरान उन्होंने आरबीआई में बी क्लास अधिकारी के लिए परीक्षा दी। वहां पर भी इंटरव्यू तक पहुंच गए। लेकिन वहां पर भी इंटरव्यू नहीं किया और बीच में ही छोड़ दिया। करीब महीनेभर पहले आदित्य विक्रम अग्रवाल ने केंद्रीय सचिवालय में एएसओ की परीक्षा भी पास कर ली। बस ज्वाइन ही करना था। लेकिन मंगलवार को आईएएस का परिणाम आया और आदित्य विक्रम अग्रवाल का सपना पूरा हो गया। बहन प्रियंका भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

इजरायल की तरह सिर पर बांधना होगा कफन', पहलगाम आतंकी हमले पर बिट्टा का बड़ा बयान

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं में एटी टेररिस्ट फ्रंट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनिंदर जीत सिंह बिट्टा ने पहलगाम आतंकी हमले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर कहा कि यह हमला देश की शांति और स्थिरता पर सीधा प्रहार है। अब समय आ गया है कि भारत के नागरिक इजरायल की तरह मौत का कफन सिर पर बांधने के लिए तैयार रहें। दिल्ली से सालासर जाते वक्त रास्ते में झुंझुनूं रुके बिट्टा ने कहा कि इस आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने देश में जो अमन-शांति स्थापित की, उसे इस हमले ने ठेस पहुंचाई है। देश में जब आतंकवाद लगभग समाप्त हो चुका था, तब पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने यह कायराना हरकत की है।

अब हमें पीओके चाहिए – बिट्टा ने दावा किया कि आज अमरीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, इटली और फ्रांस जैसे देश पाकिस्तान के खिलाफ खड़े हैं, पूरी दुनिया भारत के साथ है। अब हमारी एक ही इच्छा है, अब हमें पीओके चाहिए।

पाकिस्तानियों को दे डाली ये नसीहत

बिट्टा ने कहा कि पाकिस्तान की आम जनता को भी अब आईएसआई और आतंकियों के खिलाफ सड़कों पर उतरना चाहिए। जनता को लगना चाहिए कि आतंक के कारण उनको पानी नहीं मिल रहा। आतंकियों ने अगर किसी बहन के भाई को नहीं मारा होता, किसी पत्नी के सामने उसका सुहाग नहीं उजाड़ा होता, किसी बच्चे के सिर से उनके पिता का साया नहीं उठाया होता तो आज पाक को पानी के लिए नहीं तरसना पड़ता। हमने कभी पाकिस्तान को पानी के लिए मोहताज नहीं किया, लेकिन अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को जल संकट का सामना करना पड़े, ताकि वहां की जनता भी समझे कि आतंक का अंजाम क्या होता है।

1700 करोड़ के फ्रेश शेयर वाला आ रहा आईपीओ

सेबी की हरी झंडी का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट डेवलपर प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की हॉस्पिटैलिटी फर्म प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने की योजना बनाई है। इसके जरिए कंपनी 2700 करोड़ तक जुटाएगी। इसके लिए कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

आईपीओ की डिटेल- प्रस्तावित आईपीओ में 1700 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स द्वारा 1000 करोड़ तक के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। कंपनी 340

करोड़ तक के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर भी विचार कर सकती है। अगर ऐसा किया जाता है तो इससे नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जे पी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड इस इश्यू के एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी की प्रॉपर्टीज- बेंगलुरु में प्रेस्टीज एस्टेट्स के पोर्टफोलियो में द ओबेरॉय, रेडिसन ब्लू (ओआरआर) और भारतीय सिटी में द लीला जैसी प्रमुख संपत्तियां शामिल हैं। इसकी सहायक कंपनी प्रेस्टीज होटल वेंचर्स, व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी से लेकर होटलों का डेवलपमेंट और स्वामित्व करती है। प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स का इरादा फ्रेश इश्यू की नेट इनकम से 1121.276 करोड़ का उपयोग कंपनी और इसकी महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों, साई चक्र होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और नॉर्थलैंड होल्डिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के कर्ज को पूरी तरह या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करना है।

60 पर आ गया अडानी का शेयर

बाजार में हाहाकार के बीच शेयर बेच निकले निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम अटैक से शेयर बाजार निवेशकों में डर बैठ गया। इसके चलते भारी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1200 अंक तक लुढ़क गया था। विशेषज्ञों ने बताया कि मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को लेकर चिंता ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। इस बीच, अडानी समूह की एक कंपनी के शेयर में भी तगड़ी गिरावट देखी गई। यह शेयर - सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का है। सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर में आज 4 प्रतिशत से अधिक टूटकर 60.75 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल- कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि आगामी 29 अप्रैल को एक बैठक होने वाली है। कंपनी ने शेयर बाजार को कहा, सेबी नियम के अनुसार, आपको सूचित किया जाता है कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों पर निवेशकों/एनालिस्ट्स का सम्मेलन मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2.00 बजे से निर्धारित है।

पीएम मोदी बोले- इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाएं

उत्पादन बढ़ाएं; नवाचार अपनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील उद्योग के प्रतिनिधियों से कहा कि मजबूत, हितकारी बदलावों को तेजी से आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करें। उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ हमें नई तकनीकी को अपनाने, नवाचार करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयला आयात में कमी लाने की दिशा में ध्यान देना चाहिए। पीएम ने बृहस्पतिवार को इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, इस्पात उभरता हुआ क्षेत्र होने के साथ विकास की रीढ़ है। 2030 तक 30 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें इस्पात उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। 2023-24 में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 17.9 करोड़ थी। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा, इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नई खदानों से लौह अयस्क निकालने का प्रयास शुरू करना चाहिए। इन खदानों का उचित और समय पर उपयोग किया जाना महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं होने पर देश और उद्योग दोनों को नुकसान होगा।

शून्य आयात व निर्यात बढ़ाने का हो लक्ष्य

पीएम ने कहा, देश निर्यात बाजार पर नजर रखते हुए आधुनिक व बड़े जहाज बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे कार्यों के लिए उच्च श्रेणी के इस्पात की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इस्पात के मामले में आयात को शून्य स्तर पर लाने व शुद्ध निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य होना चाहिए। देश को कोयला गैसीकरण व कोयला आयात को कम करने के लिए अपने भंडार के बेहतर उपयोग जैसे विकल्पों की भी तलाश करनी चाहिए। देश का लक्ष्य 2047 तक इस्पात निर्यात को 2.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 50 करोड़ टन करना है। 2030 तक प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 98 किलो से बढ़ाकर 160 किलो करने का लक्ष्य है।

इन्फ्रा के विकास से बढ़ेगी इस्पात की मांग- पीएम ने कहा, देश 1,300 अरब डॉलर की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को भी आगे बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे हैं।?सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाहों और पाइपलाइन में विकास की गति इस्पात क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। बड़ी परियोजनाओं की बढ़ती संख्या इस्पात की मांग को बढ़ाएगी।

वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा भारत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत न सिर्फ घरेलू वृद्धि के बारे में, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के बारे में भी सोच रहा है।

दुनिया भारत को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देखती है। देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ा रही सरकार अपने अनुबंधों में स्थानीय रूप से विनिर्मित इस्पात के उपयोग पर जोर दे रही है।

क्षेत्र में रोजगार देने की क्षमता- मोदी ने कहा, इस्पात क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवाओं को रोजगार देने की क्षमता है। हमें ऊर्जा दक्षता, कम उत्सर्जन और डिजिटल रूप से उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

एक्सिस बैंक का मुनाफा घटा

हिंदुस्तान यूनिलीवर 24 लाभांश देगी; टेक महिंद्रा का लाभ बढ़ा एसीसी को नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक का शुद्ध लाभ 2024-25 की मार्च तिमाही में मामूली घटकर 7,117.5 करोड़ रुपये रह गया। 2023-24 की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 7,129.67 करोड़ था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 38,022 करोड़ रुपये पहुंच गई।?सकल एनपीए 1.43 फीसदी से घटकर 1.28 फीसदी रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का शुद्ध मुनाफा 3.35 फीसदी घटकर 2,475 करोड़ रुपये रहा।?हालांकि, उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2.68 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ? 15,416 करोड़ रुपये पहुंच गया।?कंपनी ने शेयरधारकों को 24 रुपय प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की घोषणा की है।?इससे पहले एचयूएल के बोर्ड ने नवंबर, 2024 में 19 रुपये का अंतरिम और 10 रुपये का विशेष लाभांश भी दिया था।

टेक महिंद्रा- टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ 2024-25 की मार्च तिमाही में 76.5 फीसदी बढ़कर 1,166.7 करोड़ रुपये रहा।?कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसे करीब 6,800 करोड़ रुपये के नए सौदे मिले।?पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 23,000 करोड़ के सौदे हासिल किए थे।

एसीसी- सीमेंट निर्माता एसीसी लि. का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 फीसदी घटकर 751.04 करोड़ रुपये रह गया। अदाणी समूह की कंपनी ने बताया, उसका परिचालन राजस्व 12.7 फीसदी बढ़कर 5,207.3 करोड़ रुपये हो गया। कुल खर्च 13.11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ?5,514.82 करोड़ रुपये रहा

बीमा क्लेम की प्रक्रिया में दी ये छूट

आतंकी हमले के पीड़ितों को एलआईसी ने दी बड़ी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को राहत देते हुए, बीमा दावे की प्रक्रिया में छूट देने का ऐलान किया है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि उसे नागरिकों की मौत पर गहरा दुख है और वह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। बीमा कंपनी ने दावा निपटान की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने की बात कही है ताकि पीड़ित परिवारों को जल्दी से जल्दी आर्थिक मदद मिल सके।

क्या-क्या मिल रहीं रियायतें?

एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि पीड़ित परिवारों को परेशानियों से बचाने के लिए कई रियायतें दी जा रही हैं। इसमें अगर किसी मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, तो सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कोई भी जानकारी, जिससे यह साबित होता हो कि व्यक्ति की मौत इस आतंकी हमले में हुई है, प्रमाण के रूप में स्वीकार की जाएगी। इसके अलावा, केंद्र या राज्य सरकार की तरफ से दी गई कोई मुआवजा राशि भी मृत्यु का प्रमाण मानी जाएगी।

दावेदारों के लिए एलआईसी क्या करेगा एलआईसी ने कहा है कि वह खुद पहल कर के पीड़ित परिवारों से संपर्क करेगा और उनका दावा जल्द से जल्द निपटाएगा। इसके लिए पूरे देश की शाखाओं में एक विशेष प्रक्रिया लागू की जा रही है। अगर कोई परिवार इस आतंकी हमले में अपने किसी सदस्य को खो चुका है और उसका एलआईसी में बीमा था, तो वे निकटतम एलआईसी शाखा/डिवीजन/कस्टमर ज़ोन से संपर्क करें। एलआईसी के हेल्पलाइन नंबर 022-68276827 पर कॉल करें।

पहलगाम में आतंकी हमला

आतंकवादियों ने मंगलवार को पहलगाम के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए, जो 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमलों में से एक था जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।

भारत का पाकिस्तान पर एक्शन

इस हमले के बाद, भारत ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने का फैसला किया जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता और एकीकृत अटारी चेक पोस्ट को बंद कर दिया है।

पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने का निर्देश

भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को भी अवांछित घोषित कर दिया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। देश ने आगे सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत प्रदान किए गए किसी भी वीजा को रद्द करने का फैसला किया और पाकिस्तान को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया है।

अब ट्रक व अन्य भारी वाहन भी होंगे सुरक्षित

जल्द शुरू होगी एनसीएपी की तर्ज पर सुरक्षा मूल्यांकन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से देश में कारों की तरह अब ट्रकों और अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनों का भी क्रैश टेस्ट होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ट्रकों और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग शुरू करने की योजना बना रहा है। यह मूल्यांकन देश के अपने क्रैश (वाहनों की टक्कर) टेस्ट कार्यक्रम भारत एनसीएपी (न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम) की तर्ज पर होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहा, इसका उद्देश्य विनिर्माताओं को उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वाहन अधिक सुरक्षित बन सकें। भारत एनसीएपी 2023 में पेश किया गया था।

देश में हर साल 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं- गडकरी ने कहा, भारत में हर साल सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में हर साल करीब 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा चिंताजनक है।?

ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से बढ़ेंगे रोजगार सरकार बैटरी चालित ई-रिक्शा के लिए मानकों और सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली पर पहले से ही काम कर रही है, क्योंकि उनको लेकर सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं। ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से उनकी गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक रोजगार पैदा होगा।

ट्रक चालकों के लिए तय होंगे काम के घंटे- मंत्री ने कहा, सड़क मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून पर भी काम कर रहा है क्योंकि वर्तमान में वे प्रतिदिन 13-14 घंटे गाड़ी चलाते हैं।

लॉजिस्टिक लागत घटाने पर काम सरकार कुछ वर्षों में लॉजिस्टिक लागत को 14-16 फीसदी से घटाकर 9 फीसदी करने पर काम कर रही है।

मुकदमे में फंसी स्टारबक्स, ब्राजील में मजदूरों से गुलामों जैसे काम कराने का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक श्रम अधिकार समूह ने मशहूर कॉफी चेन रेस्तरां स्टारबक्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में स्टारबक्स पर आरोप लगाया गया है कि वे जिन फार्म्स से कॉफी खरीदते हैं, उनमें काम करने वाले मजदूरों को गुलामों जैसे हालात में रखा जाता है। मुकदमे में आरोप है कि स्टारबक्स ने मजदूरों की हालात को नजरअंदाज कर उन फार्म्स के साथ व्यापार जारी रखा है।

क्या हैं स्टारबक्स पर आरोप- यह मुकदमा इंटरनेशनल राइट्स एडवोकेट्स नामक श्रम अधिकार समूह ने ब्राजील के कॉफी फार्म में काम करने वाले आठ मजदूरों की तरफ से अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दाखिल किया गया है।

कंपनी ने आरोपों को लेकर दी ये प्रतिक्रिया- मुकदमा दायर करने वाले मजदूरों की पहचान जाहिर नहीं की गई है। मजदूरों का कहना है कि उन्हें अच्छी सैलरी और बेहतर हालात में काम करने का लालच देकर काम पर रखा गया था, लेकिन अमानवीय हालात में रहने पर मजबूर किया जा रहा है और उनके आने-जाने के परिवहन खर्च, खाने आदि के पैसे भी उनकी तन्खवाह से काट लिया जाता है। हालांकि स्टारबक्स ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कंपनी के 19 हजार कॉफी फार्म सदस्यों में से कुछ से ही कॉफी खरीदती है।

30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ सकता है आईटी शेयर

मोतीलाल ने दिया 1950 रुपये का टारगेट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 1465 रुपये पर पहुंच गए हैं। बाजार में हाहाकार के बीच अच्छे तिमाही नतीजों की वजह से कंपनी के शेयरों में

यह तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि टेक महिंद्रा के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने टेक महिंद्रा के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 1950 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा लेवल से आईटी कंपनी के शेयरों में 30 प्रतिशत से अधिक का उछाल देखने को मिल सकता है।

76 प्रतिशत बढ़ा है टेक महिंद्रा का मुनाफा

आईटी कंपनी टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 76 प्रतिशत बढ़कर 1167 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढ़कर 13,384 करोड़ रुपये रहा है। टेक महिंद्रा के बोर्ड ने मार्च 2025 को खत्म हुए वित्त वर्ष के लिए हर शेयर पर 30 रुपये का फाइनल डिविडेंड रिकमंड किया है। तिमाही आधार पर टेक महिंद्रा का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि रेवेन्यू में 1 प्रतिशत का उछाल आया है। पूरे साल के लिए टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड प्रतिशत (टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा) सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़कर 4,252 करोड़ रुपये रहा है, जबकि रेवेन्यू सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़कर 54,988 करोड़ रुपये रहा है।

5 साल में 190 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं टेक महिंद्रा के शेयर

टेक महिंद्रा के शेयर पिछले पांच साल में 190 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। दिग्गज आईटी कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 503.55 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2025 को 1465 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 23 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर करीब 15 पर्सेंट लुढ़क गए हैं।

हर शेयर पर 135 डिविडेंड देने का ऐलान कंपनी को हुआ 3911 करोड़ का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 3,952 करोड़ की तुलना में 3,911 करोड़ रहा। गिरावट के बावजूद लाभ स्ट्रीट अनुमानों से अधिक रहा, जो कि 3,801 करोड़ आंका गया था। कंपनी के बताया कि उसका मुनाफा समूचे वित्त वर्ष में 14,500 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा कंपनी ने भारी भरकम डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने हर शेयर पर 135 रुपये डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बता दें कि आज कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत से अधिक टूटकर 11,639 रुपये पर आ गए थे।

क्या है अन्य डिटेल

शेयर बाजार में दी गई जानकारी के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में एक प्रतिशत घटकर 3,911 करोड़ रुपये रह गया है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3,952 करोड़ रुपये रहा था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 40,920 करोड़ रुपये रहा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 38,471 करोड़ रुपये रहा था।

नीरज चोपड़ा जापानी जेनकी डीन और श्रीलंकाई पथिरेज भी होंगे शामिल

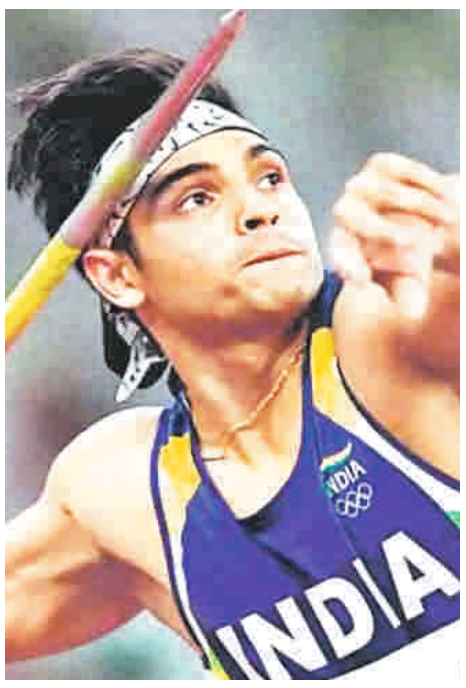

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज 24 मई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले चरण में हिस्सा लेने वाले विदेशी सितारों में शामिल होंगे। 33 वर्षीय डीन ने नीरज और किशोर जेना से पीछे रहते हुए 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों में 82.68 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.28 मीटर है जो उन्होंने 2012 में हासिल किया था। टूर्नामेंट के आयोजक जेएसडब्ल्यू ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''डीन एशियाई सर्किट के मजबूत खिलाड़ी हैं जो शीर्ष-10 विश्व रैंकिंग पर हैं और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.28 मीटर का है। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 22 वर्षीय ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ ट्रैक क्लासिक में 85.41 मीटर थ्रो के साथ फिर से 85 मीटर का थ्रो पार किया। सोमवार को नीरज ने कहा था कि पेरिस ओलंपिक फाइनल में भाग लेने वाला एक ब्राजीलियाई भी एनसी क्लासिक में भाग लेगा। आयोजकों ने गुरुवार को ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा का नाम शामिल किया।

पांच और भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

अम्मान, एजेंसी। पांच भारतीय, जिनमें तीन लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं, पांचवें दिन प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुषों की अंडर-15 चैंपियनशिप में, नेल्सम ख्वाइराकपम (55 किग्रा) ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग शेंग-यांग पर आरएससी जीत हासिल की, जबकि अभिजीत (61 किग्रा) और लक्ष्य फोगाट (64 किग्रा) ने क्रमशः किर्गिस्तान और जॉर्डन के विरोधियों के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की।

लड़कियों में, प्रिंसी (52 किग्रा) ने यूक्रेन की येवा कुबानोवा पर 5-0 से हरा दिया। समृद्धि सतीश शिंदे (55 किग्रा) ने यूक्रेन की केसिया सविना के खिलाफ तीसरे दौर में आरएससी के साथ अपना मुकाबला समाप्त किया। इससे पहले, रुद्राक्ष सिंह खैदेम (46 किग्रा) ने चौथे दिन भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और किर्गिस्तान के ऐदर मुसाएव पर 3-0 से जीत हासिल की। सभी छह भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे, जिससे अम्मान में टीम का दबदबा कायम रहा। पुरुषों की अंडर-15 श्रेणी में, हर्षिल (37 किग्रा) और संचित जयानी (49 किग्रा) ने 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि संस्कार विनोद अत्रम (35 किग्रा) ने 4-1 से जीत दर्ज की। प्रीक्षित बलहरा (40 किग्रा) ने मंगोलिया की अखमीतखान नूर सलीम पर क मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की। महिलाओं की अंडर-15 श्रेणी में, मिल्की मीनम (43 किग्रा) ने कजाकिस्तान की येलदाना अब्दिगानी को 5-0 से हराया।

बीसीसीआई ने आईसीसी को लिखा पत्र

आईसीसी टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के साथ अब कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी. दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एसीसी टूर्नामेंट में आमने सामने होती है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई ने एक और बड़ा फैसला किया और इस बाबत आईसीसी को पत्र भी लिखा है.

मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आईसीसी को पत्र लिखा है और मांग की है कि भारत और पाकिस्तान को किसी भी टूर्नामेंट में एक ग्रुप में ना रखा जाए. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब नहीं चाहता कि भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी टूर्नामेंट में मुकाबला हो, कम से कम ग्रुप स्टेज में तो नहीं. अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचे तो अलग बात होगी लेकिन ग्रुप स्टेज में तो कम से दोनों टीमों को एक साथ ना रखा जाए. अगला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट सितम्बर में है, जिसमें भारत महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा.

पाकिस्तान महिला टीम ने इसके कालीफाई किया है.

एशिया कप में क्या होगा?

पुरुष क्रिकेट में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में फरवरी और मार्च के बीच खेला जाएगा, भारत और श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. हालांकि इससे पहले बीसीसीआई के लिए चिंता एशिया कप को लेकर होगी. इस साल पुरुष क्रिकेट एशिया कप में एक ही ग्रुप में बने रहते हैं या इस पर भी कोई फैसला हो सकता है क्योंकि अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं आया है. शेड्यूल मई तक आने की संभावना है लेकिन ये इस बात पर निर्भर करेगा कि बीसीसीआई और पीसीबी के बीच कैसा तालमेल रहता है.

दरअसल पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा, ऐसी में न्यूट्रल वेन्यू पर चर्चा हो सकती है. एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि अगर दोनों के बीच तनाव रहता है तो टूर्नामेंट रद्द भी हो सकता है.

लिफ्कप का आयोजन भी होना है, जिसमें भारत बनाम पाकिस्तान 2 मैचों की संभावना है. भारत और पाकिस्तान अभी ग्रुप- में शामिल हैं, जिसमें उनके साथ यूएई और हांगकांग हैं. ग्रुप क्रमें बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और ओमान हैं. एशिया कप का मेजबान भारत है, लेकिन क्रिकबज की एक रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि पूरा टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू पर होने की संभावना है. अब देखना होगा कि क्या भारत और पाकिस्तान एशिया

हम अहम मौकों पर लड़खड़ा रहे हैं, संदीप शर्मा ने बताई आरआर की एक और नजदीकी हार की वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) रन चेज करते समय लड़खड़ा गई। इस बार भी टीम अहम समय पर पिछड़ गई। अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने माना कि टीम दबाव वाले मौकों पर बार-बार गलती कर रही है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 206 रन के लक्ष्य का पीछा शानदार तरीके से शुरू किया। यशस्वी जायसवाल ने 49 रन बनाए, लेकिन अंत में टीम फिर लड़खड़ा गई और 11 रन से मैच हार गई। इस हार के बाद अब प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी बहुत कम रह गई हैं। संदीप शर्मा ने मैच के बाद कहा, ÷हम मैच के निर्णायक पलों को अपने पक्ष में नहीं कर पा रहे, चाहे हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हों या स्कोर बचा रहे हों। टी20 में हर टीम को कुछ खास मौके मिलते हैं, जिन्हें पकड़ना जरूरी होता है। इस साल हम जरूरी कैच छोड़ रहे हैं, और जब तेजी से रन बनाने होते हैं, तभी विकेट गिर रहे हैं। ऐसे मौकों पर हम लड़खड़ा रहे हैं, यही हमारी सबसे बड़ी चिंता है। संदीप ने यह भी कहा कि टीम को कप्तान संजू सैमसन की बहुत कमी खल रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे और सुपर ओवर में टीम वह मैच भी हार गई थी। इससे पहले भी सैमसन उंगली की चोट के कारण पहले तीन मैचों में नहीं खेले थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल

में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री नेमें एक स्पिनर के साथ उतरने की कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास खेले जाने वाले विश्व टेस्ट हर फनमौला बीयू वेबस्टर चैंपियनशिप के फाइनल मेंकादश में शामिल करने का विकल्प ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड कीभी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और बोलैंड के हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि बीच चयन होने की दिग्गज ग्लेन मैक ग्रा की तरहसंभावना है। गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद शास्त्री ने का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों 'आईसीसी रिव्यू का बेहतर तरीके से उपयोग कर पर कहा, 'यह पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग बहुत कठिन में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल विकल्प होगा, स्टार्क की जगह लगभग पक्की है। अगर हेजलवुड

ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे फिट होते हैं, तो उन्हें तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा बोलैंड के मुकाबले हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड के सामने 11 से 15 जून तक अपने करियर में कई बार चोटिल लॉर्ड्स में खेले जाने वाले होने के कारण टीम से बाहर रहे है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण वह चोट के कारण भारत अफ्रीका की चुनौती होगी। इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक (मैक्ग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग कर टीम के करते हुए घातक साबित होते थे और यादगार जीत मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी दिलाई। शास्त्री कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी हैं। तरह से फिट है तो दो उन्होंने कहा, 'यह पिच वजहों से उन्हें टीम में जगह ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं हैं, मिलनी चाहिए। इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड पास मैक्ग्रा की तरह गेंदबाजी (एक के मुकाबले ऐसा करने की अधिक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड को परेशान करना) करने की क्षमता का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैक्ग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी

नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है. मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है. लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है. भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गई. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?

दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.

विराट और बाबर के बीच क्या फर्क नजर आया?

अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ

अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.

पाकिस्तान सरकार पर पहलगाम को लेकर पहले भी साध चुके निशाना

श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आंतकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं, जिसमें 276 विकेट अपने नाम किए हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरा हमारे लिए मैच अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर: सलीमा टेटे

पर्थ, एजेंसी। एक महीने लंबे सीनियर नेशनल ट्रेनिंग कैंप के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से 4 मई तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पांच मुकाबले खेलेगी। दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में विश्व की पांचवें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलियाई सीनियर महिला टीम के साथ तीन मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) में घरेलू मैदान पर भाग लिया था, जहां उन्होंने दो जीत और एक शूटआउट जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंत में टीम ने विश्व की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बोनस अंक हासिल कर शानदार समापन किया।

इस दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने 26 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। सलीमा टेटे टीम की कप्तान होंगी और नवनीत कौर उपकप्तान के रूप में उनका साथ देंगी। युवा ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, जिन्होंने फरवरी में प्रो लीग में तीन गोल किए थे, अपनी अच्छी फॉर्म को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। अनुभवी गोलकीपर सविता इस दौरे पर भी टीम के डिफेंस

अगुवाई करेंगी, जिन्होंने हाल ही में 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं। इस टीम में पांच नए चेहरे- ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे शामिल किए गए हैं, जो इस दौरे पर पहली बार सीनियर टीम के लिए खेल सकती हैं।

यह दौरा इन युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तर की हॉकी के दबाव को समझने का अच्छा अवसर है। सीरीज से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम पर्थ पहुंचकर बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे लिए मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने और मैच का अनुभव हासिल करने का सुनहरा मौका है। इससे हमें अपनी टीम संयोजन और रणनीतियों को समझने में मदद मिलेगी, जो यूरोप में होने वाले प्रो लीग और इस वर्ष के महिला एशिया कप के लिए उपयोगी होगा। सभी खिलाड़ी, विशेषकर नए खिलाड़ी, इस अनुभव से अधिक से अधिक सीखना चाहते हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया हमेशा से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 16 मुकाबले हुए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 जीते हैं और 3 बराबरी पर रहे हैं। हालांकि, भारत को प्रो लीग 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया पर 1-0 की हालिया जीत से आत्मविश्वास मिला है, जिसे वे इस दौरे में आगे बढ़ाना चाहेंगे।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप के दौरान खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। यह दौरा हमें यह जानने में मदद करेगा कि हम कहां खड़े हैं। हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना, टीम में गहराई बनाना और नए संयोजन आजमाना है।

ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया 'ए' और सीनियर टीम के खिलाफ खेलना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सीख होगी और आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में मदद करेगा।

परिवहन विभाग ने जब्त किए 6 मालवाहक वाहन

आदिलाबाद
(एजेंसी),

आज परिवहन विभाग के तत्वावधान में किए गए निरीक्षण के दौरान मालवाहक वाहनों में तय सीमा से अधिक लोगों को ले जा रहे 6 वाहनों को जब्त किया गया। इस दौरान वाहनों में यात्रा कर रहे लोगों में जागरूकता पैदा की गई। जिला कलेक्टर एवं आरटीए अध्यक्ष ने कई मौकों पर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह भी दी।

इस अवसर पर बोलते हुए उप परिवहन आयुक्त ने कहा कि यदि वाहन मालिक मालवाहक वाहनों में लोगों को ले जाते हैं, तो ऐसे वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन मालिकों से कहा कि वे चालकों को बताएं कि वे लोगों को परिवहन नहीं करेंगे। उन्होंने लोगों से भी सुरक्षित परिवहन का विकल्प चुनने को कहा।

उन्होंने लोगों से सार्वजनिक परिवहन वाहनों में तय सीमा से अधिक यात्रा नहीं करने को भी कहा। यदि निरीक्षण अधिकारी ऐसे वाहनों को रोकते हैं और जब्त करते हैं, तो उनमें यात्रा कर रहे लोगों को अधिकारियों को बाधित नहीं करना चाहिए और यह समझते हुए सहयोग करना चाहिए कि यह उनकी जान की सुरक्षा के लिए है।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक सैदाबाद स्थित सुरेश कुमार पटवारी के कार्यालय आनंद ऑडिटोरियम में आयोजित की गई.

शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा व सामूहिक प्रार्थना के पश्चात अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनंदन किया.मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने गत माह की रपट प्रस्तुत की तथा उसे पारित करवाया.आधय माँ लक्ष्मी यात्रा के स्वागत के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी गई.

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मई को शाखा की वार्षिक साधारण सभा सैदाबाद स्थित सुरेश पटवारी के कार्यालय आनंद ऑडिटोरियम में करने का निर्णय लिया गया.बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रुष्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 144 वा निशुल्क मेघा स्वास्थ्य जाँच शिविर सरूरनगर के कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित आराधना होम में रविवार 27 अप्रैल को सुबह 10 A.M. से दोपहर 2 P.M.तक आयोजित किया जाएगा. अवसर पर शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी,मानद मंत्री प्रदीप बंसल,सयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी,परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश पटवारी,पंकज पटवारी तथा युवा मोर्चा की अध्यक्ष निश्चिंत अग्रवाल उपस्थित थे. बैठक का समापन संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन तथा सहभोज के साथ हुआ.

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद
(एजेंसी),

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल महेश अग्रवाल संजय गोयल रोहित अग्रवाल सुमन अग्रवाल महेश

जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं पर हुए आतंकी हमले का विरोध

उस्मानगंज में निकाली रैली

हैदराबाद
(एजेंसी),

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम जिले में हुए आतंकी हमले के विरोध में व्यापार संघ के तत्वावधान में व्यापारियों ने एक बड़ी रैली निकाली।

शुक्रवार को रसाला व्यापार अध्यक्ष सुरेश कुमार भंसाली के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों के 700 व्यापारियों ने उस्मानगंज से सिद्दंबर बाजार होते हुए बाजार तक अपना कारोबार बंद रखा और पूरे बाजार में रैली निकाली तथा आतंकियों के खिलाफ पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए।

उन्होंने आतंकियों के पुतले जलाए और हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान की हरकतों से डरने की कोई जरूरत नहीं है और उनके व्यापारी हर तरह से मोदी और भारत सरकार का साथ देंगे। उन्होंने कहा कि भारत बहुत जल्द हमले के जिम्मेदार लोगों से बदला लेगा।

कार्यक्रम में बाबूलाल माली, मिलाफ कातरी, सुरेश माली, रमेश कुमार, राज पुरोहित, किशोर सिंह राज पुरोहित आदि ने भाग लिया।

पहलगाम आतंकी हमला - भारतीय समाज को तोड़ने की साजिश : जमीलुद्दीन

करीमनगर
(एजन्सी)

,टीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता मोहम्मद जमीलुद्दीन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की न केवल भारत के नागरिकों ने बल्कि दुनिया भर के हर इंसान ने निंदा की और शहीदों को पूरी संवेदना के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमें इस आतंकवादी हमले को भारत और देश की संप्रभुता पर हमला मानना चाहिए। इस हमले के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने के बारे में किसी को कोई संदेह नहीं है। लेकिन इस आतंकवादी हमले से राजनीतिक लाभ पाने के लिए कुछ लोग इसे एक धर्म द्वारा दूसरे धर्म पर हमला बताने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह हमला 100% विदेशी ताकतों द्वारा किया गया। ऐसा कहा गया है कि आतंकवादी पर्यटकों से उनका धर्म पूछते हुए गैर-मुस्लिमों की हत्या कर दी है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों की योजना भारत में धार्मिक अशांति पैदा करना और भारतीय समाज को तोड़ना है।

इस साजिश को समझे बिना कुछ लोग देश पर हुए हमले की गंभीरता को कम करके आंक रहे हैं और इसे हिंदू धर्म पर हमले के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। वे सैयद आदिल हुसैन शाह नामक एक मुस्लिम व्यक्ति की देशभक्ति और बलिदान को नहीं बता रहे हैं, जिसने उसी हमले में बच निकलने का मौका मिलने के बावजूद एक आतंकवादी से बंदूक छीनकर और उसे रोकने की कोशिश करते हुए हिंदू पर्यटकों को बचाने के लिए अपनी जान गंवा दी। उन्होंने कहा कि घायल हिंदू पर्यटकों को अपने कंधों पर उठाकर उनकी

जान बचाने वाले कश्मीरी मुसलमानों की मानवता दिखाई नहीं देती। जमीलुद्दीन ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को देश में सैकड़ों किलोग्राम आरडीएक्स फटने के कारण सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए और जिम्मेदार लोगों को आज तक दंडित नहीं किये जाने की वजह से आतंकवादियों को फिर से ऐसे हमले करने का साहस मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की इंटेलिजेंस फेल होने या आतंकवादी हमला पर्यटकों को सुरक्षा प्रदान करने में केंद्रीय गृह मंत्रालय की लापरवाही और अग्निपथ योजना के नाम पर सुरक्षा बलों में कटौती के कारण हुआ ? उन्होंने कहा कि गोदी मीडिया मोदी सरकार की विफलताओं की चर्चा से बचने के लिए इस आतंकवादी हमले को हिंदू-मुस्लिम के रूप में चित्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का हत्यारा स्वतंत्र भारत का पहला आतंकवादी था, नाथूराम गोडसे ब्राह्मण था, इसका मतलब यह नहीं है कि देश के सभी ब्राह्मण आतंकवादी हैं, इंदिरा गांधी की हत्या सिख आतंकवादियों ने की थी, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी सिख आतंकवादी हैं, राजीव गांधी की हत्या तमिल ईलम आतंकवादियों ने की थी, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी तमिल आतंकवादी हैं और मणिपुर में ईसाइयों की हत्या करने वाले आतंकवादी हिंदू हैं तो सभी हिंदुओं को आतंकवादी कहना गलत है, उसी प्रकार उन ताकतों के लिए भी यह गलत है जो हमारे पड़ोसी देश में आतंकवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों का दोष पूरे मुस्लिम समुदाय पर डालकर देश में धार्मिक विभाजन लाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में पूरे भारतीय समाज को एकजुट होकर अपने पड़ोसी देश की साजिशों को विफल करना चाहिए और आतंकवादियों का खात्मा करना चाहिए, अगर हिंदू और मुसलमान बंटे हुए रहे तो आतंकवादियों की साजिश कामयाब हो जाएगी। जमीलुद्दीन ने कहा कि हमें हर हाल में आतंकवादियों की साजिशों को नाकाम करना है।

महेश बैंक के बालानगर शाखा ने स्थापित किया एटीएम

हैदराबाद
(एजन्सी),

महेश बैंक ने बालानगर शाखा परिसर में ई-निगरानी प्रणाली के साथ नई स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) को अपग्रेड किया। आंध्र प्रदेश महेश सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड, एक प्रमुख बहु राज्य अनुसूचित बैंक ने आज बालानगर शाखा में ग्राहकों के सुरक्षित लेनदेन के लिए अधिक सुरक्षा सुविधाओं के साथ उन्नत एटीएम स्थापित किया। बैंक के निदेशक रामप्रकाश भंडारी और राम नारायण बोगा ने बैंक के कई मूल्यवान ग्राहकों की उपस्थिति में नए एटीएम का उद्घाटन और संचालन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक रामप्रकाश भंडारी ने सभी ग्राहकों से स्नेहपूर्वक मुलाकात की और बैंक को उनके निरंतर समर्थन और संरक्षण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। राम नारायण बोगा ने कहा कि "नवीनतम नई एटीएम सुविधा ग्राहकों को बेहतर सेवा देने और उन्हें अधिक सुरक्षा सुविधाएँ, सुविधा और पहुँच प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता का प्रमाण है"। उन्होंने ग्राहकों के सहयोग की सराहना की तथा उनसे अनुरोध किया कि वे अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों के संदर्भ देकर बैंक के विकास में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि व्यवसाय ऋण की अपार संभावनाएं हैं तथा उन्होंने शाखा में शीघ्र ही व्यापारी सम्मेलन आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने ग्राहकों से शाखा कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में पूछा, जिसके लिए उपस्थित लोगों ने एक स्वर में शाखा की सेवाओं की सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि महेश बैंक अपने ग्राहकों के लाभ के लिए नवीनतम तकनीकी सेवाओं को प्रस्तुत करने तथा अपनाने के लिए शहरी बैंकिंग समुदाय में हमेशा अग्रणी रहा है। महेश बैंक 4 राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र तथा राजस्थान को कवर करते हुए 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्य कर रहा है। बैंक अपने सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए स्वयं को एक ऐसे संगठन में परिवर्तित कर रहा है जो भविष्य के लिए एक सुपरिभाषित दृष्टिकोण के साथ नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ सेवाएं प्रदान करता है। आज की तिथि तक बैंक का व्यवसाय मिश्रण 2682 करोड़ रुपये है।

राष्ट्रीय एवं जोन के पूर्व सदस्यों ने की रेलवे डीआरएम से भेट

बेंगलूरू
(एजन्सी),

राष्ट्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य भरत कुमार जैन एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिती के पूर्व सदस्य सिद्धार्थ बोहरा ने बेंगलूरु मंडल के नव नियुक्त प्रबंधक आशुतोष के. सिंह से भेट कर यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न मांगे रखी। भरत कुमार जैन ने यात्रियों की अधिकता को देखते हुए डीआरएम से राजस्थान के लिये एक दैनिक अतिरिक्त ट्रेन के संचालन की मांग रखी, साथ ही उन्होंने जैन धर्म की भावनाओं को समझते हुए धर्म के प्रमुख तीर्थ पालीताणा हेतु सीधी ट्रेन की मांग भी पुरजोर रूप से रखी। सिद्धार्थ बोहरा ने बेंगलूरु स्टेशन पर यात्रियों के बैठने की सुविधा बढ़ाने के साथ धूप व बारिश से बचाव हेतु सभी प्लेटफार्म पर पूर्ण रूप से छत की मांग रखी।

सलाहकार समिती के दौनो पूर्व सदस्यों ने यशवंतपुरम से बाड़मेर के लिये संचालित साप्ताहिक ट्रेन 14805/06 को प्रतिदिन संचालित करने की मांग भी रखी तथा सिटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 9 पर पिछले कई महीनों से खराब पड़ी स्वचालित सीढ़ियों को ठीक कराने का अनुरोध किया। व्यापारियों के लिये अनिवार्य बेंगलुरु मुंबई रूट पर एक्सप्रेस कॉरिडोर बनाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। बेंगलुरू रेलवे मंडल प्रबंधक ने सभी मांगों को गौर से सुना तथा सकारात्मकता कार्यवाही का आश्वासन दिया। सदस्यों द्वारा मंडल प्रबंधक का सत्कार किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु रेलवे मंडल के वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक डा. ए एम कृष्णा रेड्डी भी उपस्थीत थे।

करीमनगर पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर 10 लाख नकद और 27 तोले सोने के आभूषण किए जब्त

करीमनगर
(एजन्सी),

करीमनगर पुलिस आयुक्त गौस आलम ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्तालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि करीमनगर वन टाउन, टू टाउन और सीसीएस पुलिस द्वारा अलग अलग वारदातों में लिप्त दो चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 लाख रुपये नकद और 270 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किये गए।

उन्होंने कहा कि करीमनगर वन टाउन पुलिस ने करीमनगर बस स्टैंड पर यात्रियों के बैग चुराने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 150 ग्राम सोने के आभूषण और 10 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह, जब करीमनगर वन टाउन इंस्पेक्टर बिल्ला कोटेश्वर और उनके कर्मचारी कमान चौराहे पर गश्त कर रहे थे, उन्होंने चिगुरुमामिडी मंडल के नवाबपेट गांव के निवासी कंदी संपत रेड्डी (47) नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जो चेहरे पर मास्क पहने हुए संदिग्ध रूप से घूम रहा था। पूछताछ के दौरान उसने बस स्टैंड पर भीड़भाड़ वाली बसों में यात्रा करते समय लगेज स्टैंड पर यात्रियों के बैग से सोने के आभूषण और नकदी चुराने की बात स्वीकार की। आरोपी को पहले भी करीमनगर और अप्तलगंज पुलिस थानों में

गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि संपत रेड्डी ने हाल ही में 24 फरवरी को करीमनगर बस स्टैंड पर एक महिला के बैग से 47 ग्राम सोना, 8 अप्रैल को गोदावरीखानी से सिकंदराबाद जा रही बस में एक बुजुर्ग व्यक्ति के बैग से 13 लाख रुपये और 14 फरवरी को हैदराबाद जा रही बस में एक महिला के बैग से 16.5 तोला सोने के गहने चुराने की बात कबूल की है। पुलिस ने खुलासा किया कि उसे चोरी की संपत्ति छिपाने की कोशिश करते समय पकड़ा गया। कई चोरियों में लिप्त एक संदिग्ध को अंततः पकड़ लिया गया है।

करीमनगर टू टाउन पुलिस ने अंततः गिरफ्तार कर लिया है जो लगातार चोरी की घटनाओं से लोगों को आतंकित कर रहा था। आरोपी का नाम 35 वर्षीय सुरा रवि है जो वड्डेरा जाति से है। वह पहले भी कई चोरी के मामलों में आरोपी रह चुका है। पुलिस के अनुसार, आरोपी रवि ने छोटी उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था और वह अपनी मां के साथ करीमनगर में रहता था। उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और अपने जातिगत पेशा मिट्टी में काम करके अपना गुजारा किया करता था। वह बुरी आदतों का आदी हो गया और चोरियाँ करने लगा। इससे पहले भी वह करीमनगर कस्बे में कई चोरियां कर चुका था और टू टाउन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था। जेल से रिहा होने के बाद भी उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। उसकी पत्नी उसके व्यवहार से तंग आकर बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई। इस महीने की 13 तारीख की रात को उसने सप्तगिरी कॉलोनी स्थित एक घर में घुसकर 35 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण (175 ग्राम) चुराकर फरार हो गया। बाद में उसने उनमें से कुछ को विजयवाड़ा में बेच दिया और ऐश किया। जब उसके पास पैसे ख़त्म हो गए, तो वह करीमनगर में अपने बहनोई के घर पर छिपाकर रखा हुआ बचा हुआ सोना बेचने के लिए करीमनगर लौट आया। शुक्रवार को टू टाउन पुलिस ने उसे पद्मनगर चौराहे पर संदिग्ध अवस्था में घूमते समय पहचान कर हिरासत में ले लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि उसके पास से 30-30 ग्राम वजन के दो सोने के बिस्कुट, 20 ग्राम वजन का एक कटा हुआ सोने का बार और 10-10 ग्राम वजन के दो बार, कुल मिलाकर 100 ग्राम सोना बरामद किया गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया। उन्होंने कहा कि दोनों चोरों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस आयुक्त ने वन टाउन पुलिस कांस्टेबल बशीर, कुमार, टू टाउन पुलिस कांस्टेबल सुरेंदर पाल सिंह, अविनाश, रवि और साई को रिवार्ड दिया। अवसर पर टाउन एसीपी वेंकटस्वामी, वन टाउन निरीक्षक बिल्ला कोटेश्वर, टू टाउन निरीक्षक श्रुजन रेड्डी, सीसीएस निरीक्षक रमेश और अन्य उपस्थित थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net